संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-147 ■ रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : चतुर्दशी
नक्षत्र : रेवती
प्रथम करण : वणिजा
द्वितीय करण : विष्टि
पक्ष : शुक्ल
वार : रविवार
योग : हरषाना
सूर्योदय : 06:32
सूर्यास्तः 17:38
चंद्रमा : मीन राशि में
राहुकाल : 16:14 - 17:38
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:27

डॉ. सज्जन सिंह यादव होंगे जम्मू-कश्मीर के नए मुख्य सचिव



जम्मू-कश्मीर। केंद्र सरकार ने 1995 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. सज्जन सिंह यादव को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को आदेश जारी किया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के साथ डॉ. सज्जन सिंह यादव, आईएएस (एजीएमयूटी :1995) को दिल्ली से जम्मू-कश्मीर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें 1 नवंबर 2026 से या कार्यभार ग्रहण करने की तारीख, जो भी बाद में हो, से जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव के पद पर तैनात किया गया है। यह आदेश गृह मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है। आदेश की कॉपी दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, गोवा, चंडीगढ़, लद्दाख के मुख्य सचिवों के साथ-साथ डीएनएच एंड डीडी और लक्षद्वीप के प्रशासक के सलाहकार और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के सचिव को भी भेजी गई है। डॉ. सज्जन सिंह यादव भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1995 बैच के एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी हैं।

सरकारी स्कूल में 12वीं की छात्रा ने आग लगाकर आत्महत्या की

नई दिल्ली: दिल्ली के एक सरकारी स्कूल से चौंकाने वाली बात सामने आई है। दिल्ली में एक सरकारी स्कूल में 12वीं की छात्रा ने आग लगाकर आत्महत्या कर ली। लड़की अपने साथ एक बोतल में पेट्रोल लेकर स्कूल आई थी। लड़की की मौत हो गई है।

लड़की के पास से तीन पन्नों का सुसाइड नोट भी मिला है। ये सरकारी स्कूल कृष्णा नगर में है, गार्ड रूम के पीछे वाले हिस्से में 18 साल की लड़की जो 12वी क्लास में पड़ती है, उसने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को 3 पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ है। सुसाइड नोट में लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड का किसी और लड़की से बात करने का ज़िक्र किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, साथ ही मौके की FSL जांच करवाई गई है।

सड़क निर्माण के दौरान धमाका, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

कई शवों के चिथड़े उड़ गए

जगदलपुर ■ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने कई परिवारों की खुशियों को तबाह कर दिया. अनंतगिरी मंडल के पिनाकोटा गांव के पास खनन और सड़क निर्माण के काम के दौरान जोरदार धमाका हुआ. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है. पहाड़ी काटने या सड़क चौड़ी करने के लिए की जा रही ब्लास्टिंग के दौरान यह हादसा हुआ. धमाके से मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

जानकारी के मुताबिक, यह धमाका इतना भीषण था कि पास में खड़ा टिपर ट्रक हवा में उछलकर पलट गया. हादसे के बाद घटनास्थल पर दिल दहला देने



वाले मंजर देखने को मिला. कहीं हाथ तो कहीं पैर के टुकड़े बिखरे पड़े थे. हादसे में कई शवों के चिथड़े उड़ गए. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वाहन में डीजल भरते समय आग लगने से धमाका हुआ. हालांकि, इसकी अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मृतकों में एक शिक्षक, एक ड्राइवर और कुछ मजदूर शामिल हैं.

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 5 लोगों की मौत हुई है. लेकिन मृतकों की सही संख्या की पुष्टि होना बाकी है.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी फौरन मौके पर पहुंचे. बचाव कार्य जारी है. हादसे में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है.



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं ओडिशा के संबलपुर से सांसद श्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिष्टाचार भेंट की।मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री प्रधान का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

बस्तर के लालबाग में वनोपज से सजी 20,700 वर्गफीट की भव्य रंगोली ने रचा विश्व रिकॉर्ड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष प्रदर्शित हुई बस्तर की समृद्ध विरासत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बस्तर जिले के जिला मुख्यालय जगदलपुर का लालबाग का मैदान शुक्रवार की सुबह एक अलग ही रंग ले चुका था। यहाँ मैदान का एक बड़ा हिस्सा कैनवास बन चुका था और उसमें वनोपज व अनाज रंग बन चुके थे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के बस्तर दशहरा के मौके पर बस्तर आगमन पर यह अनोखी और अद्वितीय कलाकृति वन विभाग की ओर से तैयार कराई गई थी। 15 से अधिक वनोपज व अनाज का इस्तेमाल करते हुए 20,700 वर्गफीट क्षेत्रफल में सुंदर आकृतियां उकेरी गई थीं। इसका अवलोकन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं अन्य अतिथियों ने किया। वनोपज से रंगोली की विशिष्टता को देखते हुए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से इस अद्भुत रंगोली को प्रमाणित भी किया गया।

गौरतलब है कि बस्तर दशहरा के दौरान पहली बार देश के प्रथम नागरिक का आगमन माई दंतेश्वरी की धरा पर हुआ।



दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुँचीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का 23 अक्टूबर को जगदलपुर आगमन हुआ। यहाँ माई दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेने के बाद वे मुरिया दरबार में शामिल हुईं, फिर लालबाग मैदान में सभा को सम्बोधित करने पहुँचीं। उनके इस प्रवास को लेकर बस्तर में उत्साह दिखा। इसी बीच वन विभाग ने नक्सलवाद के खात्मे के बाद बदलते बस्तर की तस्वीर को रंगोली के माध्यम से राष्ट्रपति के समक्ष रखा। बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं, प्राकृतिक संपदा तथा क्षेत्र की विकास यात्रा को रंगोली के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस रंगोली की खासियत वनवासियों द्वारा एकत्र किए गए वनोपज रहे, जिनका इस्तेमाल रंगोली में रंगों के रूप में किया गया था। इस कलात्मक अभिव्यक्ति में बस्तर के वन, वनवासी जीवन, जनजातीय संस्कृति तथा माननीय राष्ट्रपति जी के सम्मानित स्वरूप को उकेरा गया है।

यह विशाल रंगोली बस्तर की प्राकृतिक संपदा, स्थानीय समुदायों की सृजनशीलता और परंपरागत ज्ञान का प्रतीक है। वनोपज बस्तर के जनजातीय एवं वनवासी समुदायों की आजीविका, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है। वनोपज आधारित आजीविका के संवर्धन, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण तथा स्थानीय संसाधनों के सतत् उपयोग के माध्यम से क्षेत्र के समावेशी विकास की संभावनाओं को भी इस प्रस्तुति के माध्यम से रेखांकित किया गया।

बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं, जनजातीय आस्थाओं और सामुदायिक सहभागिता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। इस पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित यह प्रस्तुति बस्तर की परंपराओं एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण तथा विकास की आकांक्षाओं के मध्य समन्वय को अभिव्यक्त करती है।

हम पीस बॉन्ड पर साइन नहीं करेंगे : नेहा बोरा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा कहना है, "हमारी कोई शर्त नहीं है। हम बॉन्ड पर हस्ताक्षर नहीं करने जा रहे हैं।" कल, दिल्ली हाई कोर्ट ने नेहा बोरा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने SEM कोर्ट के उस नोटिस को चुनौती दी थी। इस नोटिस में उनसे जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए ज़मानत के साथ 10,000 रुपये का बॉन्ड भरने को कहा गया था। नेहा ने कहा, न तो वह और न ही उनका छात्र संगठन दिल्ली पुलिस द्वारा मांगे गए 'पीस बॉन्ड' (शांति बनाए रखने के मुचलके) पर हस्ताक्षर करेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा इस नोटिस के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करने के बाद, वे अब इस नोटिस को आगे चुनौती देंगी। उन्होंने कहा कि



स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (SEM) के समक्ष होने वाली कार्यवाही में 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।

बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने एसईएम कोर्ट को निर्देश दिया गया है कि वह नेहा बोरा को वे सभी दस्तावेज या सामग्री उपलब्ध कराए, जिनके आधार पर यह कार्यवाही की जा रही है। नेहा बोरा ने कहा, "आज जो 'पीस बॉन्ड' है, उस पर न तो AISA और न ही मैं हस्ताक्षर करेंगे। जांच की प्रक्रिया 'नैचुरल जस्टिस' के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए।" नेहा बोरा ने बताया कि हाई कोर्ट ने इस चरण में मामले के गुण-दोषों की जांच नहीं की है और इस मामले को आगे भी उठाया जा सकता है। उन्होंने कोर्ट के उस निर्देश का जिक्र किया, जिसमें SEM से कहा गया है कि वे उनके (नेहा बोरा के) खिलाफ मौजूद सामग्री उन्हें उपलब्ध कराएं।

जॉर्डन के चर्च पर हमले से दुखी हुए जयशंकर, भारत ने कहा-'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जॉर्डन के कराक शहर में एक चर्च पर हुए जानलेवा हमले की भारत ने कड़ी निंदा की है। शुक्रवार को हुए इस हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य घायल हो गए। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को 'घिनौना' और 'कायरतापूर्ण' कृत्य बताया। मंत्रालय ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वह इस मुश्किल घड़ी में जॉर्डन के साथ खड़ा है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत 23 अक्टूबर 2026 को जॉर्डन के कराक में एक चर्च पर हुए घिनौने हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करता है। इस हमले में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई और अनेक लोग घायल हुए। मंत्रालय ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। भारत ने कहा कि वह इस कठिन समय में जॉर्डन की सरकार और वहां के मित्रवत लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। साथ ही, भारत ने दुनिया भर में आतंकवाद के हर रूप और तरीके के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जीराफूल चावल से समृद्धि की नई राह, चांगरो के किसानों को मिलेगा बेहतर बाजार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कृषि पहचान को सहेजने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए बलरामपुर जिले के ग्राम चांगरो में जीराफूल चावल की जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन ने गांव पहुंचकर किसानों तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से चर्चा की। उन्होंने जीराफूल की खेती को संगठित रूप देने, इसकी ब्रांडिंग करने और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने का

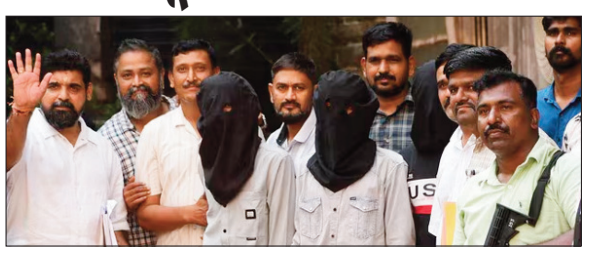


भरोसा दिलाया। ग्रामीणों के साथ आत्मीय संवाद के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जमीन पर बैठकर किसानों के अनुभव सुने और पारंपरिक खेती को सहेजने के उनके प्रयासों की सराहना की। किसानों को रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि चांगरो का जीराफूल चावल क्षेत्र की अनमोल पहचान है। इसकी सुगंध और गुणवत्ता को जिले से आगे राज्य और देशभर में पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस : सूरत से दो पिस्टल बरामद, 10 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई ■ एजेंसी

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। जांच टीम ने गुजरात के सूरत से वारदात में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए दो पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, हथियारों को फॉरेंसिक और बैलिस्टिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि घटनास्थल से मिले खाली कारतूसों से उनका मिलान किया जा सके। इस मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 18 अक्टूबर को मुंबई



के जुहू इलाके में पुष्पा नरसी ग्राउंड से फुटबॉल खेलने के बाद टाइगर श्रॉफ अपनी कार से निकल रहे थे। इसी दौरान बाइक पर आए हमलावरों ने उनकी कार पर गोलियां चलाईं। घटना में अभिनेता बाल-बाल बच गए, जबकि उनके ड्राइवर फिरदौस गोली लगने से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों संदिग्ध मोटरसाइकिल से फरार हो गए थे। जांच में सामने आया कि उन्होंने भागने के दौरान अलग-अलग परिवहन साधनों का इस्तेमाल किया और सूरत से ट्रेन के जरिए आगे निकल गए। पुलिस ने बाद में घटनास्थल के पास से कथित तौर पर वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की थी। फायरिंग की घटना के बाद मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। शुरुआती कार्रवाई में रेहान, फूल सिंह और ऋतिक कुमार को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और आरोपियों के भागने के रास्ते का पता लगाकर उन्हें पकड़ने में सफलता हासिल की थी। इसके बाद हथियारों की आपूर्ति और वारदात में कथित रूप से मदद करने वाले लोगों की भूमिका की जांच आगे बढ़ाई गई। इस सिलसिले में दिल्ली, हरियाणा और अन्य स्थानों से भी गिरफ्तारियां हुईं। पुलिस अब तक मामले में 10 लोगों की गिरफ्तारी की बात कह चुकी है।

रेड नदी हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

पुलिस ने सभी के शव किए बरामद, बिहार से आए थे घूमने

सूरजपुर ■ एजेंसी

जिले में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की नदी में डूबने से मौत हो गई। विश्रामपुर थाना क्षेत्र के सरस्वतीपुर गांव स्थित रेड नदी में नहाने के दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों में पिता-पुत्र और उनके रिश्ते के दो नाबालिग भतीजे शामिल हैं। चारों मूल रूप से बिहार के कटिहार जिले के रहने वाले थे। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है, वहीं परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।मृतकों की पहचान विवेक कुमार सिंह (45 वर्ष), पिता विश्वनाथ सिंह,



अभिजीत सिंह (20 वर्ष), पिता विवेक सिंह, गोपाल कृष्ण (करीब 13 वर्ष) और कृष्ण गोपाल (करीब 15 वर्ष), दोनों के पिता जितेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण की मौसी सूरजपुर के चंदरपुर नवापारा में रहती हैं, जहां वह ब्यूटी पार्लर संचालित करती हैं। परिवार के लोग घूमने और अपनों के साथ समय बिताने के लिए सूरजपुर आए हुए थे। बताया जा रहा है कि जिस जगह यह दर्दनाक हादसा हुआ, वहां परिवार के लोग एक दिन पहले भी घूमने गए थे।

आज जब परिवार के सदस्य उसी नदी में नहाने पहुंचे, तो किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ ही देर में खुशियां मातम में बदल जाएंगी।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, नदी में नहाने के दौरान पहले तीन लोग डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए विवेक कुमार सिंह भी पानी में उतर गए। लेकिन नदी की गहराई और पानी में बने भंवर के कारण वह भी खुद को संभाल नहीं पाए।

देखते ही देखते चारों लोग पानी में डूब गए और उनकी मौत हो गई।

करीब तीन घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन, नदी से निकाले गए चारों शव

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। इसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद चारों के शव नदी से बाहर निकाले गए। बाद में शवों को पोस्टमार्टम के लिए विश्रामपुर भेज दिया गया।

पटाखों के ढेर में लगी आग धमाकों से ढहा मकान का अगला हिस्सा, 5 की मौत

सीवान ■ एजेंसी

बिहार के सीवान जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। जामो थाना क्षेत्र के आलमापुर गांव में पटाखों से भरे एक मकान में आग लगने के बाद भीषण विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान के अगले हिस्से का मलबा सड़क पर जा गिरा। इस घटना में पांच लोगों की मौत की पुष्टि सीवान के पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने की है। मौके पर पुलिस और मेडिकल टीम की मौजूदगी में राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

सीवान जिले के जामो थाना क्षेत्र के आलमापुर गांव में शुक्रवार को पटाखों में आग लगने से एक मकान में भीषण विस्फोट हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, आलमापुर निवासी मो. अमीरुद्दीन मियां के मकान में पटाखे रखे हुए थे। उन्हें पटाखों का कारोबारी बताया जा रहा है। घटना के समय मकान में कई लोगों के मौजूद होने की जानकारी सामने आई है।

सुभाष घई ने सिनेमा में पूरे किए 50 साल, खास मौके पर नई फिल्म का किया ऐलान, श्रेयस तलपड़े की 'मान्या' से हटाया पर्दा

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्माता सुभाष घई, जो इस साल भारतीय सिनेमा में अपने 50 साल पूरे कर चुके हैं। उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'मान्या' का एक नया पोस्टर जारी किया है। इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिका में हैं। पोस्टर को 24 अक्टूबर को रिलीज किया गया, जो सुभाष घई के प्रोडक्शन हाउस 'मुक्ता आर्ट्स' की 48वीं वर्षगांठ का दिन भी था। इस फिल्म के जरिए सुभाष घई और श्रेयस तलपड़े लगभग दो दशकों बाद फिर से साथ आ रहे हैं। इससे पहले वे 2005 की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'इकबाल' में साथ काम कर चुके हैं, जिसने श्रेयस तलपड़े को पहचान दिलाई थी।

श्रेयस तलपड़े की 'मान्या' की कहानी

समीर जोशी द्वारा निर्देशित 'मान्या' एक किशोर लड़के के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म केवल अपराध पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, उस लड़के की परिस्थितियों के पीछे की मानवीय कहानी को सामने लाने की कोशिश करती है। फिल्म में संवेदना सुवालका, दिव्या शर्मा, प्रियदर्शिनी पूजा और जोहेब फारूकी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसे 'स्लो बर्न एंटरटेनमेंट' के सहयोग से 'मुक्ता आर्ट्स', पुनीत अग्रवाल और राहुल पुरी द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

श्रेयस तलपड़े संग काम करने पर सुभाष घई क्या बोले

फिल्म और मुक्ता आर्ट्स की वर्षगांठ पर बात करते हुए, सुभाष घई ने तलपड़े के साथ फिर से काम करने और नई पीढ़ी



के कलाकारों के साथ जुड़ने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा, 'यह पड़ाव मुक्ता आर्ट्स के सफर में एक नई और अहम शुरुआत है। हम आगे कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स और अर्थपूर्ण कहानियों पर काम करने जा रहे हैं, जिनमें से पहली है 'मान्या'। लगभग दो दशकों के बाद श्रेयस के साथ काम करना बहुत शानदार रहा। इससे मुझे उनकी काबिलियत और अभिनय की रेंज की याद आ गई। साथ ही फिल्म की पूरी बेहतरीन कास्ट ने कहानी में गहराई ला दी है। नए और उभरते कलाकारों में बहुत क्षमता है, जो इस फिल्म के अन्य किरदारों में बखूबी दिखाई देती है। मुझे बेसब्री से इंतजार है कि आप सभी हमारी नजरों से 'मान्या' के इस सफर को देखें।'

सुभाष घई के नए प्रोजेक्ट्स

'मान्या' के अलावा, सुभाष घई एक्टर संजय दत्त के साथ 'खलनायक रिटर्न्स' और अनिल कपूर के साथ एक कोर्टरूम ड्रामा पर काम कर रहे हैं।

सुभाष घई क्यों नहीं देखते अपनी फिल्में

अरबाज खान के पॉडकास्ट में सुभाष घई ने बताया था कि वह अपनी फिल्में क्यों नहीं देखते हैं। सुभाष ने कहा, 'सच्ची मानेंगे मेरी फिल्म जब भी रिलीज हुई है प्रीमियर हो गया और वो फिल्में हिट हो गई वो फिल्म मैंने कभी देखी नहीं। मैंने कई भी फिल्म पुरानी अपनी देखता नहीं, क्योंकि उसकी याद से जुड़ा नहीं रहना चाहता हूं... मेरे लिए फिल्म है। आज जो मैं कर रहा हूं। इस प्रेजेंट में मेरे पास क्या है। वो न सिर्फ मेरा रेलीवेंट, बल्कि मुझे आनंद भी उसमें आता है। कईयों को अतीती में जीने का आनंद आता है। मुझे होता है कि प्रेजेंट है और इस प्रेजेंट को मैं कैसे अच्छा कर सकता हूं।'

करण जौहर ने बात करना बंद किया तो बढ़ गया जाह्नवी कपूर का वजन, 'कॉफी विद करण 9' में एक्ट्रेस का खुलासा



मुंबई (एजेंसी)। 'कॉफी विद करण 9' के काउच पर अगले मेहमान जाह्नवी कपूर और वरुण धवन होंगे। प्रोमो से यह साफ हो गया है कि आने वाला एपिसोड बहुत मजेदार और हंसी-मजाक से भरपूर होने वाला है। शो की नई क्लिप में जाह्नवी कपूर और वरुण धवन एकदम बेबाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। जाह्नवी और वरुण फिल्ममेकर करण जौहर के टॉक शो के तीसरे एपिसोड में नजर आने वाले हैं। इस आने वाले एपिसोड का प्रोमो जारी कर दिया गया है, जिसमें ढेर सारी मस्ती की झलक देखने को मिलती है। साथ ही अर्जुन कपूर की भी सरप्राइज़ एंट्री होती है। 'कॉफी विद करण' सीजन 9 के नए प्रोमो में एक्ट्रेस जाह्नवी एक मजेदार खुलासा भी करती हैं।

करण जौहर की वजह से बढ़ गया था जाह्नवी कपूर का वजन

प्रोमो में वरुण धवन ने बताया कि करण जौहर ने उनसे और जाह्नवी कपूर से बात करना बंद कर दिया था। इस पर करण ने कहा, 'मैं आप दोनों से नाराज था।' इस पर जाह्नवी ने जवाब दिया, 'जब हमारी बातचीत बंद हुई तो मेरा वजन बढ़ गया था।' वरुण ने आगे कहा, 'करण, आपने बहुत ड्रामेटिक बातें कहीं। आप बिल्कुल कभी खुशी कभी गम के बच्चन साहब बन गए थे- 'मैं बड़ा हूं, मेरा हक है!' प्रोमो शेयर करते हुए, जियो हॉटस्टार ने लिखा, 'वरुण, जाह्नवी और अर्जुन 'कॉफी' काउच पर? भाई फिर तो हंगामा होना ही है! 'कॉफी विद करण' सीजन 9, एपिसोड 3, बुधवार शाम 7 बजे स्ट्रीम होगा -सिर्फ जियो हॉटस्टार पर 'द पीकॉक हब' में।'

वरुण ने जब बताया कि करण जौहर ने उनसे और जाह्नवी से बात करना बंद कर दिया था तो फिल्ममेकर ने इस पर जवाब देते हुए अपने दिल का हाल सुनाया और कहा, 'मुझे आप दोनों से दुख पहुंचा था।'

इस बातचीत के दौरान जब जाह्नवी से उनके पसंदीदा इंस्टाग्राम अकाउंट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने एक चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने अभिनेता रवि किशन के अकाउंट का नाम लिया और उनका मशहूर डायलॉग दोहराया। बोलीं - 'नाम या दाम... नाम, क्योंकि पैसा तो मेरे भाई के पीछे-पीछे आता है।'

कॉफी विद करण 9 का तीसरा एपिसोड कब आएगा

14 अक्टूबर को 'कॉफी विद करण' अपने नौवें और आखिरी सीजन के साथ वापस आ गया। पहले एपिसोड में सलमान खान नजर आए और करिश्मा कपूर ने भी सरप्राइज एंट्री ली। दूसरे एपिसोड में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना एक साथ शो में शामिल हुए, लेकिन उनके आने के बाद सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई और उन्हें ट्रोल किया गया।

ऐश्वर्या राय ने मनाया भतीजे शिवांश का बर्थडे, आराध्या भी दिखीं साथ, भाभी श्रीमा ने शेयर कीं तस्वीरें

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन भले ही लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन खबरों में हमेशा बनी रहती हैं। उनकी एक-एक एक्टिविटी पर फैंस की नजर रहती है और जैसे ही सोशल मीडिया पर उनसे जुड़ी कोई नई तस्वीर या वीडियो आते हैं, फैंस के बीच इसकी चर्चा शुरू हो जाती है। यूं तो ऐश्वर्या अपनी पर्सनल लाइफ को मीडिया की नजरों से दूर रखना पसंद करती हैं, लेकिन जब भी फैमिली से जुड़ा कोई अपडेट आता है तो वह सुर्खियों में आ ही जाता है। पिछले दिनों ऐश्वर्या ने अपने भाई-भाभी आदित्य राय और श्रीमा राय के साथ रक्षाबंधन मनाया था और अब भतीजे शिवांश के बर्थडे पर भी वह अपने मायके पहुंचीं, जिसकी तस्वीरें उनकी भाभी श्रीमा ने शेयर की हैं।

लंबे समय सै ऐसी चर्चाएं चल रही थीं कि ऐश्वर्या और उनकी भाभी श्रीमा के बीच सब ठीक नहीं है, लेकिन लगातार सामने आ रहीं फैमिली फोटोज कुछ और ही बयां कर रही हैं। पहले तो ऐश्वर्या ने रक्षाबंधन अपने भाई-भाभी के साथ सेलिब्रेट किया और अब भतीजे शिवांश का जन्मदिन में भी शामिल हुईं। बेटी आराध्या के साथ



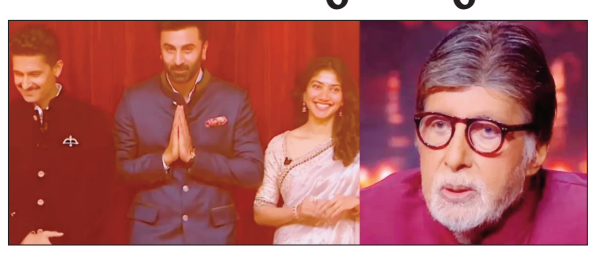
ऐश्वर्या अपने भतीजे के बर्थडे में गईं, जिसकी तस्वीरें श्रीमा राय ने शेयर की हैं। इन तस्वीरों में ऐश्वर्या को अपने भाई-भाभी, उनके बच्चों, अपनी मां वृंदा राय और बेटी आराध्या के साथ फैमिली फोटो के लिए पोज करते देखा जा सकता है।

इन तस्वीरों में ऐश्वर्या की अपने भाई और उनके परिवार के साथ बॉन्डिंग साफ देखी जा सकती है। तस्वीर में ऐश्वर्या ब्लू शर्ट में दिखाई दे रही हैं और आराध्या डेनिम शर्ट पहने हुए हैं। वहीं शिवांश सबसे आगे खड़े हैं और सामने केक और एक बुके नजर आ रहा है।

केबीसी के सेट पर 'रामायण' की कास्ट, रणबीर कपूर संग अमिताभ बच्चन की मस्ती, साईं पल्लवी-रवि दुबे भी पहुंचे साथ

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' 5 नवंबर को दिवाली के मौके पर दुनिया भर में रिलीज होने के लिए तैयार है। 'रामायण' के लिए एडवांस बुकिंग भी आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है और दर्शकों के बीच इसे लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है।

एडवांस बुकिंग में ही अब तक 'रामायण' की कमाई 8 करोड़ के पार पहुंच गई है, जबकि अभी भी इसे रिलीज होने में 10 दिन बाकी हैं। फिल्म के पोस्टर्स, गानों और ट्रेलर ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है। अब फिल्म की रिलीज से पहले फिल्म की कास्ट रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे अमिताभ बच्चन द्वारा



होस्ट किए जाने वाले क्विज़ शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (KBC) 18 के एक खास दिवाली एपिसोड में नजर आएंगे। हाल ही में सोनी लिव (Sony LIV) ने शो का नया प्रोमो जारी किया है, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे को स्टेज पर अमिताभ बच्चन के साथ देखा जा सकता है। प्रोमो में अमिताभ बच्चन को साई पल्लवी, रणबीर कपूर और रवि दुबे से बातचीत करते देखा जा सकता है। एपिसोड में रणबीर, बिग बी से उनकी दिवाली से जुड़ी बचपन की यादों के बारे में भी सवाल करते नजर आ रहे हैं। रणबीर पूछते हैं कि 'क्या आपकी दिवाली से जुड़ी कोई याद है?' जवाब में बिग बी कहते हैं - 'दिवाली की बस यही याद है कि हमें लगता था कि अगर बगल वाले के यहां बम फटा है तो हमारा बम की आवाज उससे तेज होनी चाहिए।'

सेहत

जोड़ों की सेहत के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 फूड्स

अगर आप भी आर्थराइटिस या जॉइंट में दर्द की समस्या से परेशान हैं तो, सूजन और अकड़न की समस्या को बिल्कुल भी नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। इस स्थिति में आपको अपनी दवाओं के साथ डाइट में कुछ ऐसे फूड्स को शामिल करना चाहिए जो आपके जोड़ों के दर्द को कम कर सके। कुछ खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्व हड्डियों और जोड़ों की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। आयुर्वेदिक हेल्थ कोच डिंपल जांगड़ा, जोड़ों की सेहत के लिए फूड्स के बारे में बता रही हैं जो फायदेमंद हो सकते हैं।

जोड़ों की सेहत के लिए 5 फूड्स



हल्दी वाला दूधः हल्दी में करक्यूमिन नामक यौगिक पाया जाता है, जिसमें सूजन-रोधी गुण होते हैं। हल्दी वाला दूध संतुलित डाइट का हिस्सा बन सकता है।

तिल के बीज या तेलः तिल में कैल्शियम, हेल्दी फैट और दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं। कैल्शियम हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। तिल के तेल का इस्तेमाल मालिश के लिए रूप से किया जाता है।

अदरक का पानीः अदरक में जिंजरॉल जैसे यौगिक होते हैं, जिनमें सूजन-रोधी गुण पाए जाते हैं। कुछ अध्ययनों में अदरक से दर्द में थोड़ी राहत मिलने की संभावना सामने आई है।

मेथी के बीजः मेथी के बीजों में फाइबर और कई पोषक तत्व होते हैं। इन्हें भिगोकर या खाने में मिलाकर लिया जा सकता है। मेथी के बीजों का जेल जैसा मिश्रण जोड़ों को आराम देने के लिए पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

अखरोट और अलसी के बीजः अखरोट और अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड का एक प्रकार, अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (ALA) पाया जाता है। इन्हें डाइट में शामिल करना संपूर्ण सेहत के लिए अच्छा है।

गर्म तिल के तेल और लहसुन से मालिशः गर्म तिल के तेल में लहसुन मिलाकर घुटनों की मालिश करना एक पारंपरिक घरेलू तरीका है। हल्की मालिश से कुछ लोगों को अस्थायी आराम महसूस हो सकता है। हालांकि, अगर इसके बाद भी जोड़ों में लगातार दर्द, सूजन या अकड़न रहती है, तो डॉक्टर से सलाह लें।

खीरा खाने के कितनी देर बाद पीना चाहिए पानी?

पोषक तत्वों से भरपूर खीरा सलाद के तौर पर ज्यादा सेवन किया जाता है। इसमें लगभग 95% पानी होता है, विटामिन सी, विटामिन के, कॉपर, मैंगनीज, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। हालांकि, इसे खाने के तुरंत बाद पानी पीने से ये पोषक तत्व शरीर में ठीक से अवशोषित नहीं हो पाते हैं।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पानी इन पोषक तत्वों को घोल देता है और पाचन प्रक्रिया को बाधित कर सकता है, जिससे शरीर को उनका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। यही कारण है कि खीरे के साथ-साथ अन्य फल और सब्जियों के सेवन के बाद भी तुरंत पानी पीने से मना किया जाता है। चलिए, जानते हैं खीरा खाने के बाद तुरंत पानी पीने से कौन सी परेशानियां हो सकती हैं?

खीरा खाने के बाद पानी पीने से होने वाली समस्याएं

पाचन संबंधी समस्याएँः हमारे पाचन तंत्र को सही ढंग से काम करने के लिए पेट में एक निश्चित पीएच स्तर बनाए रखना होता है।

खीरा खाने के तुरंत बाद पानी पीने से पेट का पीएच स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे पाचन प्रक्रिया बिगड़ जाती है। इससे भोजन को पचाने में कठिनाई हो सकती है।

पेट का पीएच स्तरः खाने को पचाने के लिए शरीर को एक निश्चित पीएच स्तर की आवश्यकता होती है। खीरे के तुरंत बाद पानी पीने से शरीर का पीएच स्तर प्रभावित हो सकता है, जिससे पाचन में और बाधा आ सकती है।

लूज मोशन और डायरियाः पीएच स्तर के असंतुलन और पाचन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के कारण, खीरा खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपको लूज मोशन या डायरिया जैसी समस्याएँ हो सकती हैं।

कब पिएँ पानी?

विशेषज्ञों का सुझाव है कि खीरा खाने के कम से कम 30 मिनट से 1 घंटे बाद पानी पीना चाहिए। यह समय खीरे को ठीक से पचने और उसके पोषक तत्वों को अवशोषित करने के लिए पर्याप्त होता है। यह आपके पाचन तंत्र को पोषक तत्वों को अवशोषित करने और पीएच स्तर को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त समय देता है।

किसे नहीं पीना चाहिए नींबू पानी?

गर्मियों में अक्सर लोग अपने शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए नींबू पानी पीते हैं। क्या आपको भी नींबू पानी पीना पसंद है? नींबू पानी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन कुछ लोगों को नींबू पानी का सेवन करने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। आइए नींबू पानी पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जानकारी हासिल कर लेते हैं।

किडनी स्टोन के मरीज सावधान

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर किडनी स्टोन के मरीजों को नींबू पानी से परहेज करने की सलाह देते हैं। आपको बता दें कि नींबू पानी में ऑक्सलेट होता है। किडनी स्टोन के मरीजों को हाई ऑक्सलेट चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। अगर आप अक्सर ज्यादा नींबू पानी पीते हैं, तो आपकी किडनी में पथरी पैदा होने की संभावना भी बढ़ सकती है।

दांतों के लिए नुकसानदायक

आचार्य बालकृष्ण के मुताबिक नींबू का नेचर एसिडिक होता है और यही वजह है कि ज्यादा नींबू पानी पीने की वजह से दांतों की सेहत डैमेज हो सकती है। अगर आपको दांतों में झनझनाहट या फिर सेंसिटिविटी महसूस होती है, तो आपको नींबू पानी नहीं पीना चाहिए वरना दांतों से जुड़ी ये समस्या बढ़ सकती है। अगर आप अपनी टीथ हेल्थ को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको लिमिट में रहकर ही नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

बढ़ सकती है एसिडिटी की समस्या

अगर आपको एसिडिटी हो रही है, तो आपको नींबू पानी नहीं पीना चाहिए वरना आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नींबू पानी में साइट्रिक एसिड होता है जो एसिडिटी और हार्टबर्न जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए एसिडिटी के दौरान नींबू पानी पीने से मना किया जाता है।

35 की उम्र पार कर चुके पुरुषों को जरूर कराने चाहिए ये हेल्थ चेकअप्स, समय से पहले बीमारी का पता लगाना होगा आसान

पुरुषों के कंधों पर एक उम्र के बाद कई तरह की जिम्मेदारियां आ जाता है। ऐसे में जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के लिए उनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। लेकिन आज कल पुरुष अपनी हेल्थ को नज़रअंदाज कर सभी का ध्यान रखने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि लोग कम उम्र में ही बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। खासकर 35 की उम्र पार करते ही पुरुषों का शरीर धीरे-धीरे बदलने लगता है। भागदौड़ भरी जिंदगी, अनहेल्दी डाइट, काम का तनाव के कारण दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं खामोशी से शरीर में घर करने लगती हैं। अक्सर शुरुआती चरणों में इन बीमारियों के लक्षण दिखाई नहीं देते, इसलिए इन्हें 'साइलेंट किलर' कहा जाता है। समय रहते बीमारियों की पहचान करने और एक हेल्दी लाइफ जीने के लिए 35 की उम्र के बाद पुरुषों को नियमित रूप से कुछ जरूरी हेल्थ चेकअप्स जरूर करवाने चाहिए। चलिए जानते हैं।

1. लिपिड प्रोफाइल टेस्ट

यह ब्लड टेस्ट शरीर में गुड



कोलेस्ट्रॉल, बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लीसराइड्स के स्तर की जांच करता है। खराब जीवनशैली के कारण कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना नसों में रुकावट पैदा कर सकता है, जिससे आगे चलकर हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। साल में कम से कम एक बार यह टेस्ट जरूर कराएं।

2. ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग

हाई ब्लड प्रेशर को 'साइलेंट किलर' माना जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके लक्षण नजर नहीं आते। बढ़ा हुआ बीपी आपकी किडनी, आंखों और दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। डॉक्टर की सलाह से हर 3 से 6 महीने में ब्लड प्रेशर की नियमित जांच कराते रहें।

3. फास्टिंग ब्लड शुगर और HbA1c

भारत में डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। फास्टिंग ब्लड शुगर और पिछले 3 महीनों का औसत शुगर बताने वाला HbA1c टेस्ट करवाकर आप प्रीडायबिटीज या डायबिटीज का समय पर पता लगा सकते हैं। इससे शुगर कंट्रोल करना बेहद आसान हो जाता है।

4. लिवर और किडनी फंक्शन टेस्ट

अगर आप नियमित दवाएं लेते हैं, बाहर का खाना ज्यादा खाते हैं या शराब का सेवन करते हैं, तो लिवर और किडनी की सेहत पर असर पड़ सकता है। LFT और KFT टेस्ट के जरिए लिवर एंजाइम्स और किडनी की फिल्टर करने की क्षमता की सही स्थिति का पता चलता है।

5. विटामिन B12 और D3 टेस्ट

आजकल की इनडोर लाइफस्टाइल की वजह से पुरुषों में विटामिन D की कमी आम हो गई है, जिससे हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द रहता है। वहीं, विटामिन B12 की कमी से थकान, कमजोरी और नसों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। साल में एक बार इनकी जांच कराकर सही सप्लीमेंट्स लेना फायदेमंद होता है।

6. टेस्टोस्टेरोन और थायराइड जांच

35-40 की उम्र के बाद पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन का स्तर धीरे-धीरे कम होने लगता है। अगर आप लगातार बिना वजह थकान, लो एनर्जी, चिड़चिड़ापन या वजन बढ़ने की समस्या महसूस कर रहे हैं, तो टेस्टोस्टेरोन और थायराइड की जांच जरूर करवाएं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

रविवार 25 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

19 वर्षीय युवती घर से लापता

महासमुंद। खल्लारी थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवती के घर से अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपराध दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार युवती 20 अक्टूबर की दोपहर करीब 3 बजे घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन

दुर्ग । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय निकाय निर्वाचन-2026 अंतर्गत मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। कलेक्टर सिंह ने बताया कि नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 अक्टूबर 2026 को निकायों में किया गया है, जहां आगामी निर्वाचन होना है। इसके साथ ही दावे तथा आपत्ति प्राप्त करने के कार्य शुरू है। दावे आपत्ति 30 अक्टूबर के अपरान्ह 3.00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे। दावे आपत्तियों का निपटारा 03 नवम्बर 2026 तक किया जाएगा। दावे आपत्ति निराकरण के पश्चात् निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 30 नवम्बर 2026 को किया जाएगा। बैठक में नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2026 हेतु नियुक्त रजिस्ट्रीकरण/सहायक/अतिरिक्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की जानकारी दी गई। नगर पालिक निगम भिलाई, रिसाली एवं नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा तथा नगर पालिका परिषद जामुल अंतर्गत 170 वार्डों में 744 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। उक्त नगरीय निकायों में 507704 मतदाता है। राजनीतिक दलों को प्रारंभिक प्रकाशन 23 अक्टूबर की तिथि में मतदाताओं की संख्या और एसआईआर 21 फरवरी 2026 के अनुसार मतदाताओं की संख्या तथा 01 अक्टूबर 2026 की तिथि में पूरक मतदाताओं की संख्या से भी अवगत कराया गया। विशेष पुनरीक्षण एसआईआर पश्चात् 21 फरवरी 2026 की स्थिति में नगरीय निकाय में मतदाताओं की संख्या भी जानकारी दी गई।

'सेवा सेतु' केन्द्र के माध्यम से दिलीप कुमार को एक दिन में मिला जाति प्रमाण पत्र

बालोद । आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का त्वरित एवं पारदर्शी लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 'सेवा सेतु' केन्द्र जमीनी स्तर पर बेहद कारगर साबित हो रहा है। इसके माध्यम से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने से निजात मिल रही है। जिले के ग्राम मुल्लेगुड़ा निवासी दिलीप के लिए यह अत्यंत मददगार साबित हुआ, जहां उन्हें मात्र एक ही दिवस के भीतर उनका जाति प्रमाण पत्र तैयार कर प्रदान कर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस पर बानबरद में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पद्म विभूषण तीजन बाई की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाएगी राज्य सरकार : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ लोककला और संस्कृति की समृद्ध धरती है। हमारी लोककलाएं हमारे इतिहास, जीवन-मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। इन्हें सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार लोककलाओं के संरक्षण-संवर्धन के साथ कलाकारों को प्रोत्साहन और व्यापक मंच उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बानबरद में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने प्रदेशभर से आए लोक कलाकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी ने अनेक महान कलाकार दिए हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और साधना से प्रदेश की लोकसंस्कृति को देश-दुनिया में प्रतिष्ठित किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडवानी की महान लोक कलाकार पद्म विभूषण तीजन बाई का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अद्वितीय कला-साधना से छत्तीसगढ़ की पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई। पंडवानी एक अनूठी लोकविधा है, जिसमें कलाकार महाभारत की कथा और उसके विभिन्न पात्रों को अपने गायन, अभिनय और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से जीवंत कर देता है। तीजन बाई ने इस अद्भुत लोकविधा को दुनिया के अनेक मंचों तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजन बाई की स्मृतियों और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महत्वपूर्ण पहल कर रही है। उनके गृह ग्राम गनियारी को कला ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा तथा वहां के हाईस्कूल का नामकरण तीजन बाई के नाम पर करने की पहल की जाएगी। उन्होंने बताया कि तीजन बाई के नाम पर लोककला अलंकरण इसी वर्ष से राज्योत्सव के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। यह अलंकरण उनकी अनुपम कला-साधना के प्रति सम्मान के साथ प्रदेश के लोक कलाकारों को अपनी परंपरागत कलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ज्ञानश्रोत कला मंच के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि किसी संस्था का लगातार 46 वर्षों तक लोककला और संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इस मंच ने छत्तीसगढ़ की लोककलाओं को जीवंत रखने, कलाकारों को मंच



उपलब्ध कराने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने पद्मश्री डॉ. उषा बारले एवं ज्ञानश्रोत लोककला मंच से जुड़े सभी लोगों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के कलाकारों और फिल्म जगत को भी नई संभावनाओं से जोड़ रही है। छत्तीसगढ़ी सिनेमा और स्थानीय कलाकारों को व्यापक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ फिल्म विकास बोर्ड का गठन किया गया है। नवा रायपुर में फिल्म सिटी विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे छत्तीसगढ़ी सिनेमा के साथ अन्य फिल्म निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और प्रदेश के कलाकारों तथा युवाओं के लिए रोजगार एवं रचनात्मक अवसरों के नए द्वार खुलेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आयोजकों की मांग पर पंडवानी महासम्मेलन में शामिल 70 दलों को 25-25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। इनमें पंडवानी कलाकारों के साथ चार पंथी एवं तीन आदिवासी नृत्य दल भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की शिक्षा और अधोसंरचना से जुड़ी मांगों को पूरा करते हुए मिडिल स्कूल बानबरद को हाईस्कूल में उन्नयन करने तथा अहिवारा रेलवे क्रॉसिंग से अटल परिसर तक बीटी रोड निर्माण की भी घोषणा की।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने में यहां के कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पंडवानी, पंथी, भरथरी, ददरिया और सुवा जैसी लोकविधाएं हमारे जीवन और सामाजिक परंपराओं का अभिन्न हिस्सा हैं। ये केवल गीत और नृत्य नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा हैं। उन्होंने कलाकारों से इस महासम्मेलन की परंपरा को आगे भी इसी उत्साह के साथ जीवंत बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को विधायक श्री रिकेश सेन ने भी संबोधित किया। पद्मश्री डॉ. उषा बारले ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कलाकारों से जुड़ी विभिन्न मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर विधायक दुर्ग ग्रामीण श्री ललित चंद्राकर, विधायक साजा श्री ईश्वर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोक कलाकार एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

13.79 लाख से ज्यादा का गांजा जब्त: ओडिशा से अहमदाबाद ले जाने की थी तैयारी, 4 आरोपी गिरफ्तार

पिथौरा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस ने राजस्थान के 4 तस्करों को चेकिंग के दौरान पकड़ा, जिसके पास से 13 लाख रुपए से ज्यादा का गांजा बरामद किया गया।

दरअसल, 23 अक्टूबर की रात एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स को मुखबिर से सूचना मिली की 4 युवक पीट्ठू बैग में गांजा लेकर पैदल उड़ीसा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। सूचना पर एक्शन लेते हुए एनएच-53 रोड ग्राम रेहटीखोल के पास घेराबंदी की गई और चारों को पकड़ा गया।

वहीं जब उनके पीट्ठू बैग की तलाशी ली गई, तो उसके अंदर 27.590 किलो अवैध



गांजा मिला। बरामद गांजे की कीमत 13,79,500 रुपये आंकी गई। साथ ही उनके कब्जे से 4 मोबाइल भी जब्त किया गया।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि गांजा को फुलबानी, जिला कंदमाल, उडिसा से अहमदाबाद गुजरात लेकर जा रहे हैं। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 20(B)ii(C), एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर थाना सिंघोडा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से छह परियोजना सह-संसाधन केंद्रों के भवनों को मंजूरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूत आधारभूत सुविधाओं के साथ जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से प्रदेश के छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन निर्माण को स्वीकृति मिली है। राज्य शासन ने इन भवनों के लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किस्त के रूप में 67 लाख 72 हजार 500 रुपये जारी करने की सहमति भी दी गई है।

नए भवन सूरजपुर जिले के भैयाथान और ओड़गी, रायगढ़



जिले के तमनार तथा बीजापुर जिले के बीजापुर, उसूर और भोपालपटनम में बनाए जाएंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण के लिए 45 लाख 15 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बच्चों के विकास, स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके अधिकारों और हितों के संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाओं और सेवाओं का संचालन करता है। परियोजना-सह-संसाधन केंद्र इन योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन, विभागीय अमले के समन्वय और सेवाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप भवनों का निर्माण विभागीय कार्यों के संचालन के लिए बेहतर और व्यवस्थित सुविधा उपलब्ध कराएगा।

यह स्वीकृति केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला एवं बाल विकास सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर आधारभूत सुविधा से विभागीय अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन और हितग्राहियों से जुड़े कार्यों में सहूलियत मिलेगी। साथ ही, महिलाओं और बच्चों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं तथा सेवाओं की पहुंच आसान बनाने में मदद मिलेगी। दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में विभागीय गतिविधियों को मजबूत करने से शासन की जनकल्याणकारी पहलें अधिक व्यवस्थित रूप से लोगों तक पहुंच सकेंगी।

शासन के आदेश के अनुसार, अगली किस्त के प्रस्ताव के साथ प्रथम किस्त के उपयोग का प्रमाण-पत्र तथा निर्माण कार्य की भौतिक और वित्तीय प्रगति का विवरण प्रस्तुत करना होगा। स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित व्यय सीमा और शासन के नियमों के अनुरूप किया जाएगा।

आईआईटी भिलाई के दीक्षांत समारोह में 313 विद्यार्थियों को मिली उपाधियाँ

युवा अपने ज्ञान और कौशल से विकसित भारत के निर्माण में दें योगदान : डॉ. विजय कुमार सारस्वत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के नालंदा हॉल में आज छठा दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के कुल 313 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं सीनेट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नीति आयोग के पूर्व सदस्य एवं रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व महानिदेशक डॉ. विजय कुमार सारस्वत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने की।

समारोह का शुभारंभ अकादमिक शोभायात्रा के साथ हुआ। आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्थान की वार्षिक उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईआईटी भिलाई छत्तीसगढ़ को प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के



रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने बताया कि आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ शासन की संयुक्त पहल से राज्य का पहला आईटी पार्क स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा सिविल लाइंस में उद्घाटित यह आईटी पार्क प्रदेश में तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता और रोजगार सृजन को नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। संस्थान का लक्ष्य छत्तीसगढ़ में विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान इकोसिस्टम विकसित करना है।

उन्होंने बताया कि आईआईटी भिलाई में वर्तमान में 191 अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित हैं तथा संस्थान का अनुसंधान एवं विकास बजट बढ़कर 187 करोड़ रुपए हो गया है। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को विस्तार देते हुए संस्थान ने आईएमटी नॉर्ड यूरोप, इकोल सेंट्राल डी नांत और ग्राज़ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

निदेशक ने बताया कि आईआईटी भिलाई टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की समग्र शिक्षा पहल के सहयोग से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विद्या समीक्षा केंद्र विकसित किया गया है।

इस केंद्र को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 30 मार्च 2025 को छत्तीसगढ़ को समर्पित किया था। यह पहल शिक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीक के उपयोग और प्रभावी निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगी उम्मीदें, जोरातराई के ग्रामीण जीवन में आएगा उजियारा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में धमतरी जिले के ग्राम जोरातराई के सड़क पारा में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियों का प्रतिस्थापन ग्रामीणों के जीवन में सुविधाओं का नया उजियारा लेकर आया है। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा की गई इस पहल से सौर ऊर्जा संयंत्र की भंडारण क्षमता बेहतर होगी और ग्रामीण परिवारों को विद्युत सुविधा का अधिक प्रभावी लाभ मिल सकेगा। यह प्रयास न केवल स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित संसाधनों के समुचित रखरखाव और उनकी निरंतर उपयोगिता सुनिश्चित करने का भी उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जा



रहा है। शासन की इसी पहल के अनुरूप क्रेडा द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्रों के संचालन एवं संधारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को उपलब्ध ऊर्जा सुविधाओं का निरंतर लाभ मिल सके।

धमतरी जिले के ग्राम जोरातराई के सड़क पारा में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियों की क्षमता प्रभावित होने से ऊर्जा भंडारण और विद्युत आपूर्ति में कठिनाई उत्पन्न होने की संभावना थी। इसे ध्यान में रखते हुए क्रेडा द्वारा संयंत्र की पुरानी बैटरियों का प्रतिस्थापन किया गया। इससे संयंत्र की कार्यक्षमता बनाए रखने और सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली का आवश्यकता के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता केवल प्रकाश का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, घरेलू गतिविधियों और बेहतर जीवन स्तर का महत्वपूर्ण आधार है। विशेषकर शाम और रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी बच्चों की पढ़ाई तथा परिवारों के दैनिक कार्यों के लिए आवश्यक होती है। ग्राम जोरातराई के सड़क पारा में सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियां बदले जाने से ग्रामीण परिवारों को इन सुविधाओं का बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है।

:- संपादकीय :-

पोषण के भ्रामक दावे

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रचार के खेल में फिल्मी व ग्लैमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फामूर्ले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फामूर्ले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फामूर्ला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं।निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है।

त्योहारी सीजन में डार्क पैटर्न का संजाल

ललित गर्ग ।

डिजिटल इंडिया की सफलता केवल इस बात में नहीं है कि देश में कितने लोग ऑनलाइन सामान खरीद रहे हैं, बल्कि इस बात में है कि डिजिटल बाजार कितना सुरक्षित, पारदर्शी और न्यायसंगत है। जब तक उपभोक्ता खुद अपने कानूनी अधिकारों के प्रति सतर्क नहीं होंगे और भ्रामक अर्जेन्सी के आगे घुटने टेकने के बजाय कानूनी कदम नहीं उठाएंगे, तब तक ये डार्क पैटर्न्स हमारी गाढ़ी कमाई पर डाका डालते रहेंगे।यूरोपीय संघ में डिजाइन द्वारा गोपनीयता और निष्पक्षता का नियम लागू है, जहां कंपनियों पर भारी जुमार्ना लगाया जाता है। अमेरिका के फेडरल ट्रेड कमीशन ने वीडियो गेम कंपनी एपिक गेम्स पर डार्क पैटर्न्स के माध्यम से अनपेक्षित खरीदारी कराने के लिए लगभग 245 मिलियन डॉलर का रिकॉर्ड जुमार्ना लगाया।डिजिटल दुनिया में डार्क पैटर्न्स उन भ्रामक और हेरफेर भरे डिजाइन इंटरफेस को कहा जाता है, जिन्हें उपयोगकताओं को ऐसे फैसले लेने के लिए मजबूर करने के लिए बनाया जाता है, जो वे आम परिस्थितियों में नहीं लेते। फॉल्स अर्जेन्सी इसका सबसे आम रूप है।



जब तक उपभोक्ता खुद अपने कानूनी अधिकारों के प्रति सतर्क नहीं होंगे और भ्रामक अर्जेन्सी के आगे घुटने टेकने के बजाय कानूनी कदम नहीं उठाएंगे, तब तक ये डार्क पैटर्न्स हमारी गाढ़ी कमाई पर डाका डालते रहेंगे।

भारत में त्योहारों का मौसम खुशियों के साथ-साथ ऑनलाइन सेल, भारी डिस्काउंट और आकर्षक ऑफर्स का सैलाब लेकर आता है। ह्यबिग बिलियन डेजह्न या ह्यदिवाली सेलह्न जैसे आयोजनों में पूरा देश डिजिटल शॉपिंग कार्ट भरने में लग जाता है। क्या आपने कभी गौर किया है कि कार्ट में सामान डालते समय आपकी स्क्रीन पर एक लाल रंग की घड़ी टिक-टिक करने लगती है–ह्यकेवल 2 मिनट बाकी!, ह्यस्टॉक में सिर्फ 1 बचा है! या फिर चेकआउट करते समय चुपके से 50 रुपये की टिप या हैंडलिंग फीस जोड़ दी जाती है? जिसे हम त्योहारों की छूट समझ रहे हैं, वह कई बार सिर्फ मनोवैज्ञानिक चाल और डार्क पैटर्न्सका जाल होती है। सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ डिजिटल मार्केटिंग की एक रणनीति है या सीधे-सीधे कानून का उल्लंघन और ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा किया जाने वाला उपभोक्ता अधिकारों का हनन है?डिजिटल दुनिया में डार्क पैटर्न्स उन भ्रामक और हेरफेर भरे डिजाइन इंटरफेस को कहा जाता है, जिन्हें उपयोगकताओं को ऐसे फैसले लेने के लिए मजबूर करने के लिए बनाया जाता है, जो वे आम परिस्थितियों में नहीं लेते। फॉल्स अर्जेन्सी इसका सबसे आम रूप है।

इसके अलावा, बास्केट स्नेकिंग (बिना बताए कार्ट में अतिरिक्त सामान या इंश्योरेंस जोड़ना), ड्रिप प्राइसिंग (शुरूआत में कम कीमत दिखाकर अंत में छिपे हुए चार्ज जोड़ना) और कैंसलेशन ट्रैश (ऑर्डर रद्द करने की प्रक्रिया को बेहद जटिल बना देना) जैसे हथकंडे आज हर दूसरे ऐप पर आम हो चुके हैं।कानूनी दृष्टिकोण से देखें तो भारत का उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं से सुरक्षा प्रदान करता है। इस अधिनियम की धारा 2(47) के तहत किसी भी ऐसे भ्रामक या छलपूर्ण तरीके को गैर-कानूनी माना गया है, जो उपभोक्ता को गुमराह करता हो। इसी कानून को और मजबूती देने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 30 नवंबर, 2023 को डार्क पैटर्न्स की रोकथाम और नियमन के लिए दिशानिर्देशजारी किए। इन दिशानिदेर्शों में 13 प्रमुख डार्क पैटर्न्स को स्पष्ट रूप से चिह्नित कर प्रतिबंधित किया गया है। कानूनन, किसी भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए फॉल्स अर्जेन्सी पैदा करना, छिपे हुए शुल्क वसूलना या अनिवार्य रूप से नो-रिटर्न पॉलिसी थोपना एक दंडनीय अपराध है।भारतीय अदालतों और उपभोक्ता फोरम ने भी ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाया है। हाल ही में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और विभिन्न राज्य उपभोक्ता आयोगों के समक्ष ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां ई-कॉमर्स दिग्गजों ने नो-रिटर्न पॉलिसी का हवाला देकर खराब या गलत उत्पाद वापस लेने से मना कर दिया था। अमेजन इंडिया बनाम निरूपम दास(2024) और जसविंदर सिंह बनाम अमेजन इंडिया (2017) जैसे मामलों में अदालतों ने स्पष्ट किया कि नो-रिटर्न पॉलिसी की आड़ में दोषपूर्ण सामान बेचने की अनुमति किसी भी कंपनी को नहीं दी जा सकती। यदि उत्पाद दोषपूर्ण है या वादे के मुताबिक नहीं है, तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 39 के तहत उपभोक्ता को रिफंड, रिप्लेसमेंट और मानसिक उत्पीड़न के लिए मुआवजे का कानूनी अधिकार है। अदालतों ने माना कि नियमों की शर्तें छोटी लिखावट में छिपाना भी अनुचित व्यापार व्यवहार है।यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट और जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन डार्क पैटर्न्स पर बहुत सख्त रोक लगाते हैं। यूरोपीय संघ में डिजाइन द्वारा गोपनीयता और निष्पक्षता का नियम लागू है, जहां कंपनियों पर भारी जुमार्ना लगाया जाता है। अमेरिका के फेडरल ट्रेड कमीशन ने वीडियो गेम कंपनी एपिक गेम्स पर डार्क पैटर्न्स के माध्यम से अनपेक्षित खरीदारी कराने के लिए लगभग 245 मिलियन डॉलर का रिकॉर्ड जुमार्ना लगाया। अमेरिका में सब्सक्रिप्शन ट्रैप के खिलाफ सख्त कानून हैं।विचारणीय बात यह है कि डार्क पैटर्न्स केवल उपभोक्ता का आर्थिक नुकसान नहीं करते, बल्कि उनके मनोविज्ञान को हैक कर उनकी डिजिटल स्वायत्तता और स्वतंत्र सहमति को छीनते हैं–जो भारतीय अनुबंध कानून की मूल भावना के खिलाफ है। इसके लिए कानून बना देना काफी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक और नीतिगत सुधारों की सख्त जरूरत है।

इसके लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के यूजर इंटरफेस का समय-समय पर स्वतंत्र डिजिटल ऑडिट अनिवार्य करना चाहिए, ताकि छिपे हुए डार्क पैटर्न्स को पकड़ा जा सके। साथ ही, उल्लंघनकर्ता कंपनियों के कुल टर्नओवर के आधार पर भारी आर्थिक दंड और नेम एंड शेम नीति लागू कर उनके उल्लंघनों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इसके अलावा, एक-क्लिक रिफंड व कैंसलेशन अनिवार्य करने के साथ-साथ जागो ग्राहक जागो अभियान को डिजिटल साक्षरता और डार्क पैटर्न्स की पहचान पर केंद्रित करना होगा, ताकि ग्राहक राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) या ऐप पर तुरंत शिकायत दर्ज करा सकें।

राशिफल

मेष राशि

आज किस्मत आपके लिए कामयाबी के नए दरवाजे खोलने को तैयार नजर आ रही है! आपकी मेहनत, सूझबूझ और काम करने का अंदाज लोगों के बीच आपकी अलग पहचान बना सकता है। आर्थिक मामलों में कोई बड़ा फैसला लेने का विचार मन में आएगा, जो भविष्य में लाभ की नींव रख सकता है। साझेदारी में किए गए काम भी उम्मीद से बढ़कर परिणाम दे सकते हैं। हालांकि, आपकी नीयत भले ही सबका भला करने की हो, लेकिन हर कोई आपकी भावनाओं को समझ पाए, यह जरूरी नहीं है। इसलिए दूसरों की मदद करते हुए अपनी सीमाओं का भी ध्यान रखें। घर में किसी शुभ या मांगलिक आयोजन की तैयारियां शुरू हो सकती हैं।

वृषभ राशि

आज जिम्मेदारियों को निभाते-निभाते आप सफलता की एक नई कहानी लिख सकते हैं! परिवार के साथ बिताया गया समय मन को सुकून देगा और लंबे समय से बनी किसी चिंता से राहत मिलने के संकेत हैं। आपका मूड खुशनुमा रहेगा और छोटी-छोटी खुशियां भी दिन को खास बना देंगी। किसी परेशानी का समाधान धीरे-धीरे सामने आ सकता है, जिससे मन का बोझ हल्का होगा।

मिथुन राशि

आज बड़ों का आशीर्वाद आपके आत्मविश्वास को नई ताकत दे सकता है और सही फैसले लेने में आपकी मदद कर सकता है! परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह किसी उलझन को सुलझाने का रास्ता दिखा सकती है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू पर विचार करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिले, तो पीछे न हटें। आपका छोटा-सा प्रयास किसी के चेहरे पर बड़ी मुस्कान ला सकता है।

कर्क राशि

आज आपके लिए सफलता का मंत्र है, कमाई और खर्च के बीच सही संतुलन बनाए रखना! आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लेंगे, तो अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य के लिए भी बेहतर योजना बना पाएंगे। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम गति पकड़ सकता है और आपका कोई पुराना सपना पूरा होने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे मन में नई उमंग जागेगी। जीवनसाथी के साथ बिताए गए खूबसूरत पल रिश्तों में प्यार और नजदीकियां बढ़ाएंगे।

सिंह राशि

आज आपको यह साबित करने का मौका मिल सकता है कि मुश्किल परिस्थितियों में भी आपका आत्मविश्वास डगमगाता नहीं है! कुछ लोग आपके काम में रुकावटें पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप अपना रास्ता निकाल लेंगे। दूसरों की चालों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय अपनी मंजिल पर नजर रखें। परिवार के साथ बिताया गया समय मन को शांति देगा और आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से घर में खुशियां छा सकती हैं।

कन्या राशि

आज मेहनत का पहिया तेजी से घूम सकता है और आपकी लगन आपको सफलता के करीब ले जा सकती है! कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ने से व्यस्तता रहेगी, लेकिन अपनी योजना के अनुसार काम करेंगे, तो अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं। प्रेम जीवन के लिए भी दिन खुशनुमा हो सकता है। साथी के साथ बिताए गए पल रिश्ते में नई मिठास घोलेंगे और एक-दूसरे को समझने का अवसर देंगे। हालांकि, आर्थिक मामलों में छोटी-सी लापरवाही भी नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला सोच-समझकर लें।

तुला राश

आज आपके सामने कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं, बशर्ते आप बेवजह के विवादों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें! आपकी सूझबूझ आपको सही अवसर पहचानने और उनका लाभ उठाने में मदद कर सकती है। परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी गलतफहमी का अंत हो सकता है, जिससे रिश्तों में फिर से अपनापन लौटेगा।

वृश्चिक राशि

आज आर्थिक मामलों में राहत और तरक्की के संकेत आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं! पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत महसूस हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा या आध्यात्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। इससे अपनों के साथ समय बिताने और मन को शांति देने का अवसर मिलेगा। परिवार के बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अनुभवों से सीख लेने में संकोच न करें, क्योंकि उनकी सलाह किसी महत्वपूर्ण मामले में आपके काम आ सकती है।

धनु राशि

आज कुछ परिस्थितियां आपकी परीक्षा ले सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उनके बीच भी अपना रास्ता खोज लेंगे! कामकाज से जुड़े किसी फैसले को लेकर मन में असमंजस रह सकता है। ऐसे में जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय जरूरी जानकारी जुटाएं और हर विकल्प पर विचार करें। बैंक ऋण या आर्थिक सहायता के लिए किया गया प्रयास सफल होने की संभावना रखता है, जिससे किसी योजना को आगे बढ़ाने का रास्ता मिल सकता है।

मकर राशि

आज आपके लिए तरक्की के अवसर दस्तक दे सकते हैं और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद बढ़ सकती है! साझेदारी में किए गए काम बेहतर नतीजे दे सकते हैं, जबकि नौकरीपेशा लोगों की ईमानदारी और लगन वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास जीत सकती है। आपके काम करने के तरीके की सराहना होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। दिन में मनपसंद भोजन और अपनों के साथ कुछ सुखद पल बिताने का अवसर भी मिल सकता है। ससुराल पक्ष से किसी खास व्यक्ति का आगमन घर में रौनक बढ़ा सकता है।

कुंभ राशि

आज अपनी सेहत को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि सफलता का आनंद तभी है जब आप स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करें! कामकाज में जल्दबाजी करने से बचें। कोई छोटी-सी चूक भी आपके काम को प्रभावित कर सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी को ध्यान से पूरा करें। अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए आप कुछ नए कदम उठाने का विचार कर सकते हैं। लंबे समय से बनाई गई योजनाओं को भी अब गति मिलने की संभावना है।

मीन राशि

आज पैसों के मामले में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी आपको बड़ी परेशानी से बचा सकती है! किसी बड़े निवेश या जोखिम भरे फैसले को फिलहाल टालना बेहतर हो सकता है, खासकर तब जब उसके सभी पहलुओं की जानकारी आपके पास न हो। शेयर बाजार या अन्य निवेश से जुड़े मामलों में अनुभवी विशेषज्ञ की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें।

नजरिया | **- ओम डहरिया**

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डिजिटल प्रशासन की मजबूत पहल 38 विभागों की 939 सेवाएं एक मंच पर



छत्तीसगढ़ में सुशासन को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा सेतु का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन की पहुंच में लाना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने वाली यह व्यवस्था नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।सेवा सेतु के माध्यम से प्रदेश में 38 विभागों की 939 सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के संचालन के लिए 16 हजार 773 सेवा केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक सेवा सेतु में ऑनलाइन प्राप्त 55 लाख 13 हजार 672 आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। इस व्यवस्था से 21 हजार 582 अधिकारी-कर्मचारी ऑनबोर्ड होकर सेवाओं के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़े प्रदेश में डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाओं को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाते हैं।सेवा सेतु की प्रमुख विशेषता यह है कि नागरिकों को अनेक आवश्यक शासकीय सेवाओं के लिए एक ही मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन तथा गुमास्ता लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए इस व्यवस्था के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम होती है और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनती जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है, जहां छोटी-छोटी शासकीय प्रक्रियाओं के लिए भी लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।सेवा सेतु का उद्देश्य केवल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शासकीय सेवाओं के वितरण को अधिक व्यवस्थित और जवाबदेही बनाना भी है। डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों की स्थिति पर नजर रखने, संबंधित अधिकारियों तक आवेदन पहुंचाने और सेवाओं के क्रियान्वयन को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मजबूती मिलती है।राज्य सरकार की यह पहल डिजिटल सुविधाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ तकनीक के उपयोग को जनहित से जोड़ती है। सेवा केंद्रों के माध्यम से उन नागरिकों को भी आवेदन करने में सहायता मिल सकती है, जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रियाओं की जानकारी या मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवा केंद्रों का समन्वय नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सेवा सेतु इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए शासन की प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और प्रशासन को अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने का माध्यम बन रहा है। सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और नागरिकों में डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने से इस पहल की उपयोगिता और अधिक मजबूत हो सकती है।

इसका मूल उद्देश्य है कि सुशासन का लाभ प्रदेश के जन-जन तक पहुंचे और सरकारी सेवाओं को आम नागरिक के लिए सरल, सुलभ एवं पारदर्शी बनाना है।

विचार

अत्यधिक खनन से नदियों पर संकट



आज नदियों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। केवल हमारे देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी नदियों पर एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है। हालांकि कुछ नदियों पर यह खतरा अभी नहीं दिखाई दे रहा लेकिन भविष्य में ऐसी नदियों पर इस खतरे का प्रभाव पड़ सकता है। भारत में नदियों का सामाजिक महत्व ही नहीं, धार्मिक महत्व भी है। हमारे यहां प्राचीन समय से ही धार्मिकता के आधार पर नदियों को विशेष महत्व दिया गया है। इस दौर में लगातार हो रहे विकास ने नदियों के पर्यावरण को प्रभावित किया है। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि निर्माण कार्यों के लिए रेत और बजरी का दोहन प्रकृति की पुनर्भरण क्षमता से अधिक गति से हो रहा है, जिससे नदियों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। दरअसल शहरीकरण की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इस समय कस्बों और शहरों का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसमें रेत और बजरी की जरूरत होती है। इसका दबाव नदियों पर पड़ता है। रेत का अत्यधिक दोहन भारत समेत दुनिया भर की नदियों के अस्तित्व के लिए खतरा बनता जा रहा है।हाल ही में सिंगापुर की नानयांग टैक्नोलॉजिकल यूनिव?सटी से जुड़े शोधकत्र्ताओं ने एक अध्ययन किया, जो 26 अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों की समीक्षा पर केन्द्रित है। इसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जर्नल प्रिव्यूज ऑफ जियोफिजिक्स में प्रकाशित किया गया है। शोधकत्र्ताओं ने 1974 से अब तक प्रकाशित 411 वैज्ञानिक अध्ययनों का विश्लेषण किया। अध्ययन में बताया गया है कि किसी भी नदी से ज्यादा रेत निकालने के कारण उसके किनारे कमजोर होने लगते हैं। इसके साथ ही भूजल स्तर कम और जल प्रदूषित होने लगता है। तटीय इलाकों में समुद्र का खारा पानी अंदर तक पहुंचने लगता है। सवाल यह है कि क्या भविष्य में रेत के इस्तेमाल को कम किया जा सकता है? जिस तरह से निर्माण कार्य बढ़ते जा रहे हैं, उससे तो ऐसा लगता है कि भविष्य में रेत की मांग और बढ़ेगी। इसका सीधा प्रभाव नदियों पर पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि 2060 तक निर्माण क्षेत्र में रेत की मांग 45 फीसदी तक बढ?का अनुमान है। इस रिपोर्ट की बात छोड़ दें तो भी इसके लिए किसी बड़े गणित की आवश्यकता नहीं है।

ट्रंप की टैरिफ लीला, दोस्ती का झमेला

जनता को इतना समझ लेना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में कोई किसी का स्थायी दोस्त नहीं होता। सबके अपने-अपने हित होते हैं। और जब हित टकराते हैं, तो मक्का पैक्ट भी कभी-कभी मजाक पैक्ट दिखाई देने लगता है !दुनिया की राजनीति अब विदेश नीति से नहीं, स्टैंड-अप कॉमेडी से चल रही है। नेता सुबह जो कहते हैं, शाम को उसका उलटा करते हैं और रात को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताते हैं कि उलटा करना ही उनकी रणनीति थी।डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को समझाया कि रूस से तेल मत खरीदो। रूस से तेल खरीदना गलत है, रूस को पैसा देना गलत है और रूस से दोस्ती करना तो अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता के खिलाफ है। भारत ने कहा, ह्यलेकिन सर, हमें तेल चाहिए। हमारी गाड़ियां नैतिकता से नहीं, डीजल-पेट्रोल से चलती हैं।अब अमेरिका खुद रूस से डीजल खरीद रहा है। भारत रूस से तेल खरीदे तो भू-राजनीतिक अपराध, लेकिन अमेरिका खरीदे तो राष्ट्रीय हित!भारत ने पूछा, ह्यसर, तेल वही है, रूस भी वही है, फिर नैतिकता का रेट अलग-अलग क्यों है?जवाब आया, क्योंकि टैरिफ हमारी विदेश नीति का हिस्सा है, गणित का नहीं!फिर खबर आई कि भारत पर दंडात्मक टैरिफ लगाने की योजना में बदलाव हो सकता है। यानी पहले डंडा दिखाओ, फिर डंडा वापस रख लो और कहो कि देखिए, हमने कितनी उदारता दिखाई!यह अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति नहीं, बल्कि मोहल्ले की उस दुकान का मामला है, जहां दुकानदार पहले एमआरपी बढ़ाता है, फिर बीस प्रतिशत की छूट देकर ग्राहक को एहसानमंद बना देता है।पाकिस्तान का दोस्त चीन है। चीन की ईरान से दोस्ती है। पाकिस्तान की सऊदी अरब से दोस्ती है, जबकि सऊदी अरब और ईरान के बीच दुश्मनी रही है। यानी दोस्ती का ऐसा चक्रव्यूह है कि अभिमन्यु भी इसमें घुसने से पहले विदेश मंत्रालय से सलाह मांगता! पाकिस्तान की समस्या यह है कि दोस्ती निभाने के लिए बयान मुफ्त में दिए जा सकते हैं, लेकिन सैनिक, हथियार और युद्ध का खर्च नकद में चुकाना पड़ता है।यह विदेश नीति नहीं, बल्कि शादी का वह पारिवारिक समारोह है, जहां दो रिश्तेदारों में झगड़ा हो जाए तो मेजबान को दोनों के लिए अलग-अलग खाने की मेज लगानी पड़ती है। नाम मक्का पैक्ट है, इसलिए गंभीरता बहुत है। लेकिन असली परीक्षा नाम की नहीं, काम की है।पाकिस्तान के लिए असली चुनौती यह है कि वह चीन से दोस्ती, ईरान के साथ पड़ोसी के रिश्ते, सऊदी अरब से रणनीतिक संबंधों और अपनी आर्थिक जरूरतों के बीच संतुलन कैसे बनाए।और ट्रंप साहब की कहानी भी यही सिखाती है–आज प्रतिबंध, कल छूट; आज टैरिफ, कल राहत!बाकी जनता को इतना समझ लेना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में कोई किसी का स्थायी दोस्त नहीं होता। सबके अपने-अपने हित होते हैं। और जब हित टकराते हैं, तो मक्का पैक्ट भी कभी-कभी मजाक पैक्ट दिखाई देने लगता है!

वनांचल के ग्राम जमुनाही में हाथियों का उत्पाद, 2 मवेशियों की मौत

कुछ मवेशी घायल, मकान को किया क्षतिग्रस्त







लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोरमी वनांचल क्षेत्र ग्राम जमुनाही में सुबह चार उग्र हाथियों के झुंड ने मवेशियों के तबले में हमला कर दो भैंस की कुचलने से दर्दनाक मौत होने की जानकारी सामने आई है। हाथियों के हमले ग्रामीण ने बीवी बच्चो के साथ भागकर जान बचाई।

वन क्षेत्र के ग्राम जमुनाही में शुक्रवार प्रात सुबह 3 बजे अचानक जंगली हाथियों का झुंड गांव के निवासी नीलकंठ यादव को हाथियों के चिंघाड़ने की आवाज सुनाई दी जब घर से बाहर निकलकर टार्च से देखा तो हाथियों का झुंड उसके घर की तरफ आ रहा था, आनन फानन में नीलकंठ ने अपने पत्नी और बच्चो को लेकर घर छोड़कर बस्ती की तरफ शरण लेने के लिए भागकर अपने और अपने परिवार की जान बचाई। वही नीलकंठ आनन फानन में अपने घर में बंधे भैंस, गाय को छोड़ना भूल गया हाथियों ने उग्रता के कारण घर के तबले खूंटे से बंधे मवेशीयो को हथियों ने कुचले जाने से एक भैंस व भैंस के बच्चे की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई एवँ अन्य मवेशी घायल हो गए। हाथियों का उत्पात सुबह तक चलता रहा ग्रामीणों के घर को क्षतिग्रस्त कर बाईक को नुकसान पहुचाया। सुबह तक हाथियों धान की फसल को खा रहे काफी फसल कुचलकर खराब हो गए वन विभाग में घटना स्थल पहुंचकर मुआवजा प्रकरण तैयार कर उच्च अधिकारी को पत्र प्रेषित करने की बातें कही है।

काफी समय से भटक रहे है -

आपको बता दे कि हाथियों का दल काफी दिनों से एटीआर के जंगलों में भटक रहे कुछ पूर्व भी जंगल अंदर रह रहे ग्रामीणों के घर को नुकसान पहुंचा चुके है।

मेडिकल टीम लोरमी ने किया रक्त जांच एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। मेडिकल टीम लोरमी एवं हंसवाहिनी ब्लड सेंटर बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क ब्लड डोनेशन एवं रक्त प्रोफाइल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 139 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया, जिसमें से 40 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

शिविर की मुख्य अतिथि ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती सुमनलता कंवर रहीं। इस अवसर पर मेडिकल टीम लोरमी के अध्यक्ष मिंटू छाबड़ा, अभिलाष जायसवाल, सविता पाठक, हरीश देवांगन, राजेश झरिया, राजेंद्र साहू, अवधेश राजपूत, इंद्रजीत कौर एवं प्रिया जायसवाल राजाराम कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिविर का मुख्य आकर्षण एक ही परिवार जायसवाल परिवार के 5 सदस्यों ने एक साथ रक्तदान कर समाज को नई दिशा दी, जिसमें एक महिला सदस्य ने भी रक्तदान किया। हंसवाहिनी ब्लड सेंटर बिलासपुर से दुर्गा देवांगन, अरविंद साहू एवं उनकी टीम ने रक्त संग्रहण में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में सभी 40 रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मेडिकल टीम ने कहा एक थैली खून तीन जिंदगियां बचाता है, क्योंकि इससे आरबीसी प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग-अलग 3 मरीजों के काम आते हैं।

मेडिकल टीम लोरमी ने किया उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। राजपूत युवा मोर्चा लोरमी को दीन दुखी बीमार पीड़ित की सेवा, रक्तदान, वृक्षारोपण, नेत्रदान, शरीरदान, वस्त्र दान, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मान, शिक्षक सम्मान, वृद्धजन सम्मान करने, हनुमान चालीसा पाठ लोक कल्याण और मानवतावादी कार्य करने के लिए मेडिकल टीम लोरमी के द्वारा सम्मानित किया गया। राजपूत युवा मोर्चा लोरमी को मेडिकल टीम लोरमी के द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संजय सिंह राजपूत अध्यक्ष, गणेश सिंह, महावीर सिंह, दिनेश सिंह उपस्थित रहे।

अध्यक्ष संजय सिंह राजपूत ने कहा कि यह सम्मान समाज के समस्त समाजभक्तो को समर्पित जो प्रतिकूल परिस्थिति में निस्वार्थ भाव से अपना सहयोग देते हैं। समाज की जनमन के चरणों में यह उपलब्धि समर्पित करता हूं जो अपने उच्च आदर्शों के कारण इस प्रकार अनेक आयामों पर कार्य कर पा रहे हैं। समस्त दानदाता, समयदाता और उत्कृष्ट चिंतक धन्यवाद के पात्र हैं।

मध्यप्रदेश के दो शातिर चोरों को कबीरधाम पुलिस ने किया गिरफ्तार

मध्यप्रदेश के विभिन्न थानों में चोरी एवं आर्म्स एक्ट के 11 प्रकरणों में संलिप्त रहे हैं आरोपी, थाना सहसपुर लोहारा के भी 2 प्रकरणों में हैं आरोपी

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव (भा.पु.से.) के निर्देशन में कबीरधाम पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा चोरी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना सहसपुर लोहारा पुलिस ने ग्राम छोटूपारा में घर एवं किराना दुकान में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के दो शातिर आरोपियों (1) राकेश कुसरे, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम अकलपुर, थाना मलाजखंड, जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) तथा (2) अमर मरकाम, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम डोंगरिया, थाना बिरसा, जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, अनुमानित कीमत 74,000/- रुपये, तथा वारदात में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल, कीमत लगभग 1,00,000/- रुपये, सहित कुल 1,74,000 रुपये की संपत्ति जप्त की गई है। दोनों आरोपियों को विधिसम्मत कार्यवाही के पश्चात न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

घर एवं किराना दुकान में ताला तोड़कर चोरी की वारदात

प्रार्थी रेवाराम साहू, निवासी ग्राम छोटूपारा एवं किराना व्यवसायी, ने थाना सहसपुर लोहारा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 अक्तूबर को ग्राम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होने के कारण वह अपने घर एवं दुकान में ताला लगाकर कार्यक्रम देखने गया था। रात्रि लगभग 01:30 बजे घर लौटने पर उसने देखा कि घर के सामने के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर कमरे में रखी दोनों गोदरेज अलमारियों के ताले एवं लॉकर टूटे हुए थे तथा सामान बिखरा पड़ा था।

अलमारी में रखी नगदी रकम 5,000/- रुपये, सोने के



पत्ती वाले इस्तेमाली लॉकेट 09 नग, जिनकी कीमत लगभग 41,000/- रुपये थी, चांदी का करधन एवं छोटे बच्चे का चांदी का आभूषण, जिनकी कुल कीमत लगभग 25,000/- रुपये थी, गायब मिले। इसके बाद दुकान में जाकर देखने पर वहां का दरवाजा भी खुला मिला तथा काउंटर की दराज में रखी लगभग 3,000/- रुपये की नगदी रकम भी गायब थी। इस प्रकार घर एवं दुकान से कुल 74,000/- रुपये की संपत्ति चोरी की गई थी।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सहसपुर लोहारा में अपराध क्रमांक- 169/2026, धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सी.सी.टी.वी. फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना सहसपुर लोहारा पुलिस द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों के फुटेज का अवलोकन किया गया, साथ ही तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पतासाजी की गई।

पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के संभावित ठिकानों की पहचान कर अलग-अलग टीमें गठित की गईं तथा मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में दबिश दी गई। पुलिस की सतत पतासाजी एवं त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप राकेश कुसरे एवं अमर मरकाम को पकड़ने में सफलता मिली। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने ग्राम छोटूपारा में हुई चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए।

आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही से चोरी के 09 नग सोने के पत्ती वाले आभूषण, 01 नग चांदी का करधन तथा 01 जोड़ी चांदी की पायल बरामद की गई। चोरी की संपत्ति की अनुमानित कीमत 74,000/- रुपये बताई गई है। इसके अतिरिक्त वारदात में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल, जिसकी कीमत लगभग 1,00,000/- रुपये है, भी जप्त की गई।

इस प्रकार चोरी के सोने-चांदी के आभूषण एवं वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल 1,74,000/- रुपये की संपत्ति जप्त कर विधिवत पुलिस कब्जे में ली गई।

कांग्रेस की 7 सदस्यीय जांच टीम ने किया नंदनी कुमान गांव व स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

नंदनी कुमान में कुपोषण से 5 बच्चों की मौत का मामला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर कवर्धा जिले के सुदूर वनांचल एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कुपोषण की स्थिति की वास्तविकता जानने हेतु कांग्रेस द्वारा 7 सदस्यीय जांच दल गठित किया गया था।

मोहला-मानपुर विधायक एवं जांच दल के अध्यक्ष इंद्रशाह मंडावी के नेतृत्व में कांग्रेस की टीम ने बोड़ला स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर भर्ती कुपोषित बच्चों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की तथा इसके बाद सुदूर वनांचल ग्राम नंदनी कुमान (झलमला-रेंगाखार क्षेत्र) पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मिलकर जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि पिछले चार महीनों में एक ही गांव के 5 बच्चों की मौत हो चुकी है। 12 बच्चे वर्तमान में बोड़ला अस्पताल में उपचाररत हैं, जबकि 2 बच्चों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में अभी भी करीब 10 बच्चे कुपोषण से प्रभावित हैं।

मोहला-मानपुर विधायक एवं जांच दल के अध्यक्ष इंद्रशाह मंडावी ने कहा कि कवर्धा जिले के बैगा आदिवासी समुदाय के बच्चों की कुपोषण से मौत बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह और भी गंभीर विषय है कि इतनी भयावह स्थिति के बावजूद क्षेत्रीय विधायक एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा सांसद संतोष पांडे अब तक पीड़ित परिवारों के बीच नहीं पहुंचे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा विशेष



रूप से संरक्षित जनजातीय समुदाय के बच्चों की ऐसी स्थिति सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जमीनी व्यवस्था कमजोर है और जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों में बैठकर कागजी खानापूर्ति करने में लगे हुए हैं।

भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मनोज मंडावी ने कहा कि आदिवासी परिवारों की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद आदिवासी बच्चों का कुपोषण से प्रभावित होना और उनकी मौत होना बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में कुपोषण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर स्थिति में सुधार किया गया था, लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वनांचल क्षेत्रों की स्थिति चिंताजनक दिखाई दे रही है। आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष जनक ध्रुव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा आदिवासी एवं कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य, पोषण एवं महिला एवं बाल विकास के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब योजनाओं के लिए बजट उपलब्ध है, तो फिर नंदनी कुमान जैसे गांवों में बच्चों तक इसका लाभ क्यों नहीं पहुंच रहा है स्वास्थ्य केंद्र एवं गांव में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, बच्चों की स्थिति तथा पोषण व्यवस्था का जायजा लिया। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, नियमित जांच एवं उपचार व्यवस्था को लेकर भी गंभीर शिकायतें जांच दल के समक्ष रखीं।

जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि नंदनी कुमान में 5 बच्चों की मौत, 14 बच्चों का अस्पताल में भर्ती होना और गांव में अभी भी कई बच्चों का कुपोषण से प्रभावित होना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विधायक स्वयं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं, इसके बावजूद पीड़ित परिवारों तक पहुंचकर उनकी पीड़ा जानने का समय नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि सरकार को राजनीतिक प्रचार और दावों से बाहर निकलकर वनांचल की वास्तविक स्थिति देखनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी तय कर हर बच्चे की स्वास्थ्य जांच, उचित उपचार, पोषण आहार और आवश्यक चिकित्सा सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जानी चाहिए। कांग्रेस ने मांग की है कि नंदनी कुमान में हुई बच्चों की मौतों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस की 7 सदस्यीय जांच टीम में मोहला-मानपुर विधायक इंद्रशाह मंडावी, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मनोज मंडावी, बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता बघेल एवं पूर्व विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल रहे।

इस दौरान जिला एवं क्षेत्रीय कांग्रेस संगठन से गोपाल चंद्रवंशी, , प्रभाती मरकाम, , मेहुल सत्यवंशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने स्पष्ट कहा कि आदिवासी बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा यह मामला केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और सरकार की जवाबदेही का विषय है। बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

ग्राम झाफल प्राथमिक शाला में आओ बने इंसान कार्यक्रम आयोजित





लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय प्राथमिक शाला झाफल में जनपद सदस्य फागूराम साहू भारत माता की आरती में सम्मिलित हुए।

आओ बने इंसान कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मेरा बचपन ग़रीबी में व्यतीत हुआ है। मेरा प्रारंभिक पढ़ाई गांव में किया। बारहवीं की पढ़ाई बैगाकपा में किया। फ़िर कमाने के लिए बाहर चला गया था।

वहाँ से आने के बाद गांव में छोटा दुकान प्रारम्भ किया। फिर राजनीति में आने की इच्छा नहीं था लेकिन गांव वालों के सहयोग से मै आगे बढ़ा। प्रधानपाठक संजय सिंह ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद, जनउला, गीत अन्य गतिविधि कराया जाता हैं।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित चम्मच दौड़ प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी को पेन पेंसिल देकर के सम्मानित किया गया।

भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 में चटाई धूल, नमन-तिलक और नीतीश की तिकड़ी के आगे पस्त हुए कीवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च के स्टेडियम में खेले गए 5 मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले को 4 विकेट से अपने नाम करने के साथ सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में टीम इंडिया को जीत हासिल करने के लिए 181 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करते हुए 70 के स्कोर तक आधी टीम पवेलियन लौट गई थी। इसके बाद तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी की तिकड़ी ने बल्ले से कमाल दिखाने के साथ टीम इंडिया को मुकाबले में रोमांचक जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। टीम इंडिया की तरफ से तिलक वर्मा के बल्ले से जहां नाबाद 51 रनों की शानदार पारी देखने को मिली तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने भी अहम समय पर नाबाद 26 रनों की पारी खेली।



न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम को 181 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करते हुए टीम इंडिया को अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की ओपनिंग जोड़ी ने अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 40 रनों की साझेदारी की। संजू 14 रन बनाकर जब आउट हुए तो अचानक तेजी से विकेट गिरने का सिलसिला देखने को मिला जिसमें वैभव सूर्यवंशी 4 रन, अभिषेक शर्मा 27 रन, कप्तान अय्यर 7 और अक्षर पटेल सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए जिसमें भारतीय टीम ने 70 के स्कोर तक अपनी आधी टीम को गंवा दिया था और मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम पूरी तरह से हावी थी।

70 के स्कोर पर 5 विकेट गिरने के बाद तिलक वर्मा ने जहां एक छोर से पारी को संभाला तो वहीं उनको नमन धीर का साथ मिला जिसमें दोनों के बीच में छठे विकेट के लिए हुई 24 गेंदों में 42 रनों की साझेदारी ने मुकाबले में टीम इंडिया की वापसी कराने में अहम भूमिका अदा की। नमन धीर इस मैच में 17 गेंदों में 31 रनों की छोटी लेकिन अहम पारी खेलकर आउट हुए। यहां से तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने जिम्मेदारी संभाली और टीम इंडिया को जीत की तरफ लेकर जाने का काम किया। दोनों के बीच में 7वें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की मैच विनिंग साझेदारी देखने को मिली।

तिलक वर्मा ने सिर्फ 26 गेंदों में छह चौके और एक छक्के के दम पर 51 रनों की पारी खेली तो वहीं नीतीश के बल्ले से 13 गेंदों में 26 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली, जिसमें उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया।

साल दर साल छाई अर्शदीप की आंधी, T20I में एक साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बने भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला क्राइस्टचर्च के स्टेडियम में खेला गया जिसको टीम इंडिया 4 विकेट से अपने नाम करने में कामयाब रही। इस मैच में टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने उतरी टीम इंडिया की तरफ से बॉलिंग में काफी बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला। मेजबान न्यूजीलैंड की टीम इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 180 के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सकी जिसमें टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह का कमाल देखने को मिला जिन्होंने 2 विकेट लेने के साथ एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। अर्शदीप सिंह अब टी20 इंटरनेशनल में एक साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।



न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में अर्शदीप सिंह का गेंद से कमाल देखने को मिला जिसमें उन्होंने अपने 4 ओवर्स में 33 रन देने के साथ 2 अहम विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ अर्शदीप एक साल में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए, जिसमें उन्होंने भुवनेश्वर कुमार के 4 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। भुवनेश्वर ने साल 2022 में टी20 इंटरनेशनल में कुल 37 विकेट हासिल किए थे तो वहीं अब नंबर-1 की पोजीशन पर काबिज अर्शदीप सिंह के नाम 38 विकेट दर्ज हो चुके हैं, जिसमें और इजाफा होना तय है।

एक साल में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

अर्शदीप सिंह - 38 विकेट (साल 2026)
भुवनेश्वर कुमार - 37 विकेट (साल 2022)
अर्शदीप सिंह - 36 विकेट (साल 2024)
वरुण चक्रवर्ती - 36 विकेट (साल 2025)
अर्शदीप सिंह - 33 विकेट (साल 2022)
अक्षर पटेल - 32 विकेट (साल 2026)

अर्शदीप सिंह तीन विकेट और लेते ही रचेंगे इतिहास

टी20 इंटरनेशनल में फुल मेंबर्स टीमों की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ियों में एक साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड आयरलैंड के जोसुआ लिटिल के नाम पर है, जिन्होंने साल 2022 में कुल 39 विकेट हासिल किए थे। ऐसे में इस लिस्ट में अभी संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर काबिज अर्शदीप सिंह यदि तीन विकेट और हासिल कर लेते हैं तो वह जोसुआ को पीछे छोड़ नंबर-1 की पोजीशन पर काबिज हो जाएंगे।

वैभव सूर्यवंशी को मिला प्लेइंग XI में मौका, लेकिन नहीं करेंगे ओपनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 मैच क्राइस्टचर्च में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता है और उन्होंने पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। इस मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग XI में दो बदलाव हुए हैं। ईशान किशन जो चोट की वजह से इस मैच में नहीं खेल रहे हैं, उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका मिला है। खास बात ये है कि वैभव जिन्होंने अपने करियर में अभी तक अधिकतर मैचों में ओपनिंग की है, वो इस मैच में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए दिखेंगे।

टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस के दौरान कहा कि वे पहले गेंदबाजी करेंगे क्योंकि मैदान पर ओस एक बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी अच्छी शारीरिक और मानसिक स्थिति में हैं। अय्यर ने ये भी बताया कि प्लेइंग XI में दो बदलाव किए गए हैं। चोटिल ईशान किशन की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल किया गया है जो नंबर-3 पर बल्लेबाजी करेंगे, जबकि मयंक यादव की जगह प्रिंस यादव को एक टैक्टिकल चेंज के तौर पर मौका मिला है।

दूसरे टी20 मैच की प्लेइंग इलेवन से यह साफ हो गया है कि कप्तान श्रेयस अय्यर और टीम मैनेजमेंट अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सफल जोड़ी के साथ बिल्कुल छेड़छाड़ नहीं करना चाहती है। ये दोनों बल्लेबाज इस समय बहुत ही बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी को अभी तक भारत के लिए सिर्फ 8 टी20 मैच खेलने का मौका मिला है। इन 8 पारियों में उन्होंने 30.75 की औसत से कुल 246 रन बनाए हैं, जिसमें उनके दो अर्धशतक शामिल हैं। खास बात यह है कि उनका स्ट्राइक रेट 186.36 का रहा है और उन्होंने इन मैचों में 22 चौके और 18 छक्के जड़े हैं। अब देखना ये होगा कि आज के इस मैच में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है और वह नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए कितना रन बना पाते हैं।

तिलक वर्मा ने दूसरे टी20 में रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मैच क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया के उपकप्तान तिलक वर्मा ने दो कैच पकड़कर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह टी20 इंटरनेशनल में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने इंडोनेशिया के खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने पहला कैच अर्शदीप सिंह के दूसरे ओवर में पकड़ा, फिर दूसरा कैच भुवनेश्वर कुमार के तीसरे ओवर में उन्होंने डेरिल मिचेल का कैच पकड़ा। यह उनका इस मैच का दूसरा कैच था।

इस साल अब तक 26 कैच पकड़ चुके हैं तिलक वर्मा

तिलक वर्मा ने एक साल के अंदर बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच

तोड़ा इंडोनेशिया के खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड



पकड़कर एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। वह इस साल अब तक 26 कैच पकड़ चुके हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड इंडोनेशिया के डैनिलसन हावो के नाम था, जिन्होंने 2025 में 25 कैच पकड़े थे, जबकि यूएई के मोहम्मद वसीम ने 2024 में 24 कैच लिए थे। मलेशिया के शर्विन मुनियांडी ने 2025 में 21 कैच लपके थे। युगांडा के ब्रायन मसाबा ने 2023 में 20 कैच और बांग्लादेश के तंजीद हसन ने 2025 में 20 कैच लपके थे।

T20Is में एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले फील्डर

26 - तिलक वर्मा (भारत), 2026
25 - डैनिलसन हावो (इंडोनेशिया), 2025
24 - मोहम्मद वसीम (UAE), 2024
21 - शर्विन मुनियांडी (मलेशिया), 2025
20 - ब्रायन मसाबा (युगांडा), 2023
20 - तंज़ीद हसन (BAN, 2025

टीम इंडिया को मिली थी अच्छी शुरुआत

मुकाबले की बात करें तो टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पारी की शुरुआत में ये फैसला सही साबित होता हुआ दिखा। अर्शदीप सिंह ने अपने पहले ही ओवर में टीम इंडिया को बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने टिम सीफर्ट को आउट किया। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने डेरिल मिचेल का विकेट लिया। 4 साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को अपने पहले विकेट के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा।

व्यापार

भारत को मैन्यूफैक्चरिंग, रिसर्च सेंटर के रूप में देख रहीं जर्मन कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की कंपनियां भारत को एक प्रमुख कंज्यूमर मार्केट के साथ-साथ मैन्यूफैक्चरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) और इनोवेशन के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में देख रही हैं। पीयूष गोयल ने बर्लिन में अपनी दो दिनों की यात्रा खत्म करने के बाद मीडिया से कहा कि उन्होंने सीमेंस हेल्थकेयर, बर्टेल्समैन इन्वेस्टमेंट, फॉक्सवैगन और स्कोडा सहित अलग-अलग कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं।

जर्मनी की लगभग 2000 कंपनियों का भारत में परिचालन

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "सभी सीईओ ने एक ही बात कही- जर्मनी की कंपनियां अब भारत को सिर्फ एक बाजार के रूप में नहीं देखती हैं, बल्कि अपने साझेदार, विनिर्माण के आधार, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और इनोवेशन के केंद्र के रूप में देखती हैं।" इस समय जर्मनी की लगभग 2000 कंपनियों का भारत में परिचालन है। मंत्री दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए यहां आए थे।

जर्मनी की इंडस्ट्री के सामने लागत में कटौती करना सबसे बड़ी अनिवार्यता

पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध न सिर्फ वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के द्वार खोलते हैं, बल्कि टैलेंट, इनोवेशन, को-क्रिएशन, को-डिजाइन, को-डेवलपमेंट और को-मैन्यूफैक्चरिंग के द्वार भी खोलते हैं। गोयल ने कहा, "आज जर्मनी की इंडस्ट्री के सामने सबसे बड़ी अनिवार्यता लागत में कटौती करना और वैश्विक बाजारों में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनना है। इसलिए, वे भारत में बहुत बड़े पैमाने पर मैन्यूफैक्चरिंग की संभावनाएं देख रहे हैं।

हरित हाइड्रोजन, वित्तीय सहायता जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझीदारी करना चाहते हैं यूरोपीय देश



जहां तक जर्मनी के इनोवेशन और डिजाइन से जुड़े कामों का सवाल है, लगभग हर कंपनी मुझे मौजूदा केंद्रों, जीसीसी (Global Capability Centers) के बारे में बड़े पैमाने पर बताती है, जहां वे लाखों प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार देते हैं।" उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश हरित हाइड्रोजन, वित्तीय सहायता और अपनी हरित पहलों जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझीदारी करना चाहते हैं।

भारत में कारोबार के लिए स्थिर और भरोसेमंद माहौल

पीयूष गोयल ने गुरुवार को ग्लोबल इंवेस्टर्स को भरोसा दिलाया कि भारत में कारोबार के लिए स्थिर और भरोसेमंद माहौल है। उन्होंने कहा कि भारत में निवेश करने, काम करने और कारोबार बढ़ाने वालों को अन्य देशों जैसी अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ता। बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में उन्होंने कहा कि आज दुनिया बंटी हुई है और भरोसा एक दुर्लभ चीज बन गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत सभी निवेशकों, कारोबारियों और व्यापारियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करता है।

2-3 नवंबर को बैंकिंग सेवाओं पर पड़ सकता है असर, IDBI बैंक के कर्मचारियों ने किया देशव्यापी हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। IDBI बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 2 और 3 नवंबर 2026 को देशव्यापी हड़ताल करने का ऐलान किया है। इस आंदोलन को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) का भी समर्थन मिल गया है। ऐसे में इन तारीखों पर बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, सेवाओं पर कितना असर पड़ेगा, यह संबंधित बैंक और शाखाओं में कर्मचारियों की भागीदारी पर निर्भर करेगा।

IDBI बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों के संयुक्त मंच ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। यह आंदोलन 2 और 3 नवंबर को दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल के साथ समाप्त होगा। UFBU ने 22 अक्टूबर 2026 को लिखे पत्र में इस आंदोलन को समर्थन देने की बात कही है। साथ ही, उसने अपने सदस्यों से भी IDBI बैंक कर्मचारियों के विरोध कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील की है। UFBU ने IDBI बैंक के कर्मचारियों के आंदोलन के समर्थन में विरोध कार्यक्रमों का अपना कार्यक्रम भी जारी किया है। इस घटनाक्रम के बाद बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे जरूरी काम समय रहते निपटा लें और हड़ताल के दौरान सेवाओं की उपलब्धता की जानकारी बैंक से लेते रहें।

इस आंदोलन की मुख्य वजह IDBI बैंक में सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की हिस्सेदारी बेचने का फैसला है। सरकार और LIC की कुल 60 फीसदी हिस्सेदारी कनाडा के निवेशक फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बेचने की योजना का UFBU विरोध कर रहा है।

UFBU का कहना है कि IDBI बैंक एक मुनाफे में चलने वाला बैंक है और उसके पास बड़ी संख्या में ग्राहकों की जमा राशि है। ऐसे बैंक की हिस्सेदारी किसी विदेशी निवेशक को बेचने से सार्वजनिक स्वामित्व को लेकर सवाल उठते हैं। संगठन का मानना है कि यह फैसला आत्मनिर्भर भारत की सोच के अनुरूप नहीं है।

व्यापारी संघ ने राहुल गांधी को लिखी चिट्ठी, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली को स्थगित करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली करने जा रही है। दिल्ली के व्यापारियों ने इस रैली को चिंता जाहिर की है। व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने कांग्रेस के सीनियर नेता राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर रैली का आयोजन स्थगित कर 10 नवंबर के बाद करने का अनुरोध किया है।

CTI चेयरमैन बृजेश गोयल ने राहुल गांधी को भेजी गई चिट्ठी में लिखा, "हमें जानकारी मिली है कि आपकी पार्टी द्वारा 1 नवंबर, 2026 को रामलीला मैदान में महारैली का आयोजन किया जा रहा है। आपसे विनम्र निवेदन है कि इस रैली को 10 नवंबर (भैया दूज) के बाद आयोजित किया जाए, क्योंकि वर्तमान में दिवाली का व्यापार अपने पीक सीजन पर है।"

दिल्ली के बाजारों में धनतेरस पर होता है लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का व्यापार

बृजेश गोयल ने चिट्ठी में लिखा कि धनतेरस पर लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस साल धनतेरस 6 नवंबर को है, दीपावली 8 नवंबर को और भैया दूज 10 नवंबर को है। लोग 1 हफ्ते पहले ही धनतेरस और दीपावली की खरीदारी शुरू कर देते हैं। धनतेरस के लिए दिल्ली में सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयां, ऑटोमोबाइल,



गाड़ियां, प्रॉपर्टी, गिफ्ट आइटम में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होता है और ये व्यापार दिल्ली की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

व्यापारियों को पहले ही हो चुका है 3000 करोड़ रुपये का नुकसान

CTI ने चिट्ठी में अपना दुख-दर्द बताते हुए कहा कि कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और सेंट्रल दिल्ली में लगातार रैलियों, मार्च और रास्ते बंद होने के कारण दिल्ली के व्यापारियों को पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। थोक बाजारों में बाहर से माल आना बंद हो गया था और रिटेल में ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे थे।

रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में आते हैं दिल्ली के ऐतिहासिक और प्रसिद्ध बाजार

रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में दिल्ली के सबसे ऐतिहासिक और प्रसिद्ध होलसेल एवं रिटेल बाजार स्थित हैं।

इन बाजारों में चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट, नया बाजार, मोरी गेट, किनारी बाजार, दरीबा, दरिया गंज, अजमेरी गेट, जामा मस्जिद, झंडेवालान, करोल बाग, नबी करीम, आजाद मार्केट, लाजपत राय मार्केट आदि प्रमुख नाम शामिल हैं। इन बाजारों से पूरे भारत में माल जाता है। रैली के कारण ट्रैफिक डायवर्जन, मेट्रो स्टेशन बंद रहने और बैरिकेडिंग से इन बाजारों का काम पूरी तरह ठप हो जाएगा।

नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन भी रामलीला मैदान के करीब

इसके अलावा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भी रामलीला मैदान से नजदीक ही हैं। प्रतिदिन लाखों व्यापारी और खरीदार इन स्टेशनों के माध्यम से दिल्ली आते-जाते हैं। रैली के दौरान रास्ते बंद होने और भीड़ के कारण दिल्ली के बाहर से आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हो सकती है और बाहर से आने वाले खरीदार डर के कारण दिल्ली आने से परहेज कर सकते हैं, जिसका सीधा असर धनतेरस और दीपावली के व्यापार पर पड़ेगा।

लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान को लेकर भाजपा की जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के "लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ" अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर एवं जिला महामंत्री आशीष शर्मा ने मार्गदर्शन दिया। इस दौरान अभियान के उद्देश्यों, विपक्ष के आरोपों का जवाब देने की रणनीति तथा जिले में प्रस्तावित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा द्वारा 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस और विपक्ष द्वारा निर्वाचन आयोग तथा अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर उठाए जा रहे सवालों के जवाब में जनता के बीच अपना पक्ष रखने की योजना बनाई गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग और भाजपा सरकार के विरुद्ध विरोध प्रदर्शनों को जारी रखने की घोषणा के संदर्भ में भाजपा विपक्ष के आरोपों को भ्रामक बताते हुए उनके राजनीतिक दृष्टिकोण पर सवाल उठा रही है।

विधायक रोहित साहू ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखने पर दिया जोर

राजिम विधायक रोहित साहू ने अपने उद्बोधन में लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती, संवैधानिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और जनजागरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अभियान के माध्यम से आम नागरिकों तक पार्टी का पक्ष पहुंचाने तथा लोकतंत्र से जुड़े विषयों पर सकारात्मक जनसंवाद स्थापित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान की गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए संगठन की कार्ययोजना के अनुरूप सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने संगठनात्मक समन्वय पर दिया बल

भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए संगठन के सभी स्तरों पर समन्वय और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने प्रस्तावित पदयात्रा, संवाद कार्यक्रमों और छात्र प्रतियोगिता की तैयारियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभियान का संदेश जिले के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी के साथ जुटना होगा, ताकि लोकतंत्र, संवैधानिक मर्यादाओं और राष्ट्रीय हितों से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा हो सके।

जिला महामंत्री आशीष शर्मा ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर की चर्चा

भाजपा जिला महामंत्री आशीष शर्मा ने अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उनके प्रभावी संचालन और जनभागीदारी पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि "लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ" अभियान के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका, संवैधानिक मूल्यों और नागरिकों के दायित्वों पर चर्चा को व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने पदयात्रा, राष्ट्र चिंतन संवाद बैठक, युवा संवाद और छात्र प्रतियोगिता के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रमों के माध्यम से पहुंचेगा अभियान का संदेश जिले में "लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ" पदयात्रा, राष्ट्र चिंतन संवाद बैठक, "लोकतंत्र बनाम भीड़तंत्र" युवा संवाद तथा इसी विषय पर छात्र प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। पदयात्रा के माध्यम से आम नागरिकों तक अभियान का संदेश पहुंचाया जाएगा। राष्ट्र चिंतन संवाद में लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय हितों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श होगा। युवा संवाद में युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक मर्यादाओं पर विचार रखने का अवसर मिलेगा। वहीं छात्र प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकतंत्र और भीड़तंत्र के अंतर तथा नागरिक कर्तव्यों पर अपने विचार प्रस्तुत करने का मंच मिलेगा।

बैठक में भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचन आयोग सहित लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। पार्टी ने घुसपैठ के मुद्दे पर भी विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने की बात कही। अभियान के माध्यम से इन मुद्दों पर जनता के बीच अपना पक्ष रखने और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों के संचालन, संगठनात्मक जिम्मेदारियों और कार्यकर्ताओं की सहभागिता को लेकर चर्चा की गई। जिला स्तरीय टोली ने अभियान की निर्धारित अवधि में सभी प्रस्तावित गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया बैठक में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, जिला उपाध्यक्ष गुरु नारायण तिवारी,पदुलोचन जगत, जिला कोषाध्यक्ष अजय रोहरा, जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके नगर पंचायत कोपरा अध्यक्ष रूप नारायण साहू जिला मीडिया प्रभारी राधेश्याम सोनवानी मंडल अध्यक्षगण सुमित पारख धनराज विश्वकर्मा रिकेश साहू खोमन चंद्राकर हेमंत सिन्हा देवेश ठाकुर संतोष यादव भोजराज सिन्हा जगमोहन पटेल भगवानों बेहरा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक साहू महामंत्री पंकज निर्मलकर सोशल मीडिया संयोजक अमित बखारिया आईटी सेल संयोजक डायमंड साहू थान सिंह निषाद प्रकाश रोहरा सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

त्यौहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर नमूने जांच के लिए भेजे





गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली त्योहारों के मद्देनजर जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज मेसर्स भवानी बीकानेर स्वीट्स, मेसर्स गुजराती स्वीट्स, मेसर्स मधुबन स्वीट्स एवं मेसर्स डेली डिलाइट सहित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मिलावटी एवं अवमानक खाद्य पदार्थों की आशंका के आधार पर मेसर्स भवानी बीकानेर स्वीट्स से कुंदा तथा मेसर्स गुजराती स्वीट्स से कुंदा के नमूने संकलित कर जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी, रायपुर भेजे गए हैं। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इसी प्रकार, 14 एवं 15 अक्टूबर को गरियाबंद बस स्टैंड के आसपास स्थित फल विक्रेताओं एवं स्ट्रीट फूड वेंडरों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विक्रेताओं को सड़े-गले एवं खराब फलों का विक्रय नहीं करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समोसा, भजिया, मिर्ची भजिया सहित अन्य तली हुई खाद्य सामग्री के लेन-देन में अखबारी कागज का उपयोग नहीं करने, खाद्य पदार्थों में अत्यधिक मात्रा में खाद्य रंग का प्रयोग नहीं करने तथा अखाद्य रंग मेटेलिक यलो (जलेबी रंग) का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए। खाद्य पदार्थों एवं मिठाइयों के निर्माण में अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए भी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया, ताकि त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण मिठाइयां तथा अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकें।

एचआईवी सघन प्रचार-प्रसार अभियान के तहत विकासखण्ड साजा में हुआ जनजागरुकता कार्यक्रम

बेमेतरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) एवं छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार दिनांक 12 अगस्त 2026 से अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे इंटेंसिफाइड आई.ई.सी. कैंपेन (Intensified IEC Campaign) के अंतर्गत आज विकासखण्ड साजा में सघन जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े , नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश के मार्गदर्शन एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए. के. वर्मा के नेतृत्व में सीएचसी साजा आईसीटीसी द्वारा इंदिरा गांधी शासकीय उच्चतर



माध्यमिक विद्यालय, साजा में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में परामर्शदाता अभिषेक राजपूत द्वारा विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स के फैलने के कारण, लक्षण तथा बचाव एवं रोकथाम और एस.टी.आई./आर.टी.आई. के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आईसीटीसी एमएलटी अरुण कुमार यादव द्वारा 1097 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर एवं एचआईवी/एड्स अधिनियम 2017 के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान जागरूकता हेतु आई.ई.सी. सामग्री का वितरण किया गया एवं जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें छात्राओं ने "जागरूक समाज, स्वस्थ छत्तीसगढ़" का संदेश दिया। इस जनजागरुकता कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

द्विफसली योजना के अंतर्गत ग्राम नवागांव में कृषकों को किया गया सरसों बीज का वितरण

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा रबी मौसम में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कृषि विभाग गुरूर विकासखण्ड द्वारा द्विफसली योजना के अंतर्गत ग्राम नवागांव में कृषक हितग्राही मूलक कार्यक्रम का आयोजन कर किसानों को उन्नत किस्म के सरसों बीज के मिनीकिट वितरित किए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एकल फसल प्रणाली के स्थान पर किसानों को द्विफसली पद्धति अपनाने और तिलहन उत्पादन की ओर अग्रसर करना है।

उन्नत बीज से बढ़ेगा उत्पादन और आमदनी

कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कृषकों को उन्नत बीज के महत्व, खेत की तैयारी तथा बोआई की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि द्विफसली योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण सरसों बीज की खेती करने से कम लागत



और सीमित सिंचाई में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इससे न केवल किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी, बल्कि क्षेत्र में तिलहन फसलों का रकबा भी बढ़ेगा।

ग्राम नवागांव में आयोजित बीज वितरण कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण व किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने शासन की इस योजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए समय पर उन्नत बीज प्राप्त होने पर हर्ष जताया।

कृषि अमले ने कृषकों से संतुलित खाद प्रबंधन और आधुनिक कृषि विधियों को अपनाकर समृद्ध किसान बनने का आह्वान किया।

ऑफलाइन जारी नहीं होगी पोस्टमार्टम रिपोर्ट मेडलेपार पोर्टल से भेजना अनिवार्य : कलेक्टर

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मेडलेपार पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एमएलसी एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट की ऑनलाइन प्रविष्टि, अपलोडिंग और सत्यापन की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर दुदावत ने कहा कि मेडलेपार भारत सरकार की नवीन कानून के क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से मेडिको-लीगल एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाया जा रहा है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के डीन सहित सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को



निर्देशित किया कि मेडलेपार पोर्टल पर सीसीटीएनएस के माध्यम से पोस्टमार्टम रिपोर्ट की एंट्री समय पर सुनिश्चित करें। एमएलसी प्रकरणों में भी किसी प्रकार की देरी न हो तथा पोर्टल पर लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि पुलिस विवेचना एवं न्यायालयीन प्रक्रिया प्रभावित न हो।नक्शे देखें

कलेक्टर ने पोर्टल के संचालन में आने वाली तकनीकी एवं प्रक्रियागत समस्याओं का त्वरित निराकरण करने और संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी अमले को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग सुनिश्चित करने से रिपोर्टों का ऑनलाइन संधारण एवं आदान-प्रदान सुगम होगा और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एमएलसी एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट संबंधित विभागों को मेडलेपार पोर्टल के माध्यम से ही प्रेषित की जाएं। सामान्य परिस्थितियों में ऑफलाइन माध्यम से पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी नहीं की जाए तथा सभी संबंधित अधिकारी ऑनलाइन प्रक्रिया का अनिवार्य रूप से पालन करें। साथ ही, एमएलसी की ऑनलाइन पेंडेंसी की नियमित निगरानी कर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि सीसीटीएनएस परियोजना के अंतर्गत एमएलसी एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट को मेडलेपार पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप पूरी की जाए। उन्होंने पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को रिपोर्ट अपलोड करने में आने वाली तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयों को आपसी समन्वय से दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों विभागों के बीच बेहतर तालमेल से रिपोर्ट समय पर उपलब्ध होंगी और आम नागरिकों को अनावश्यक विलंब का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रतीक जैन, एडिशनल एसपी लखन पटले, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल एवं ओंकार यादव सहित पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सामाजिक सौहार्द बनाए रखने संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ कार्य करें अधिकारी : कलेक्टर

कोरबा। जिले में शांति, सुरक्षा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुणाल दुदावत और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में आगामी त्योहारों, धान खरीदी सीजन, यातायात, औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं और कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई। कलेक्टर दुदावत ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों की परिस्थितियों पर लगातार नजर रखने और लोक शांति प्रभावित होने की आशंका वाली समस्याओं को समय रहते चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की सामाजिक समस्याओं का शासन के नियमों के अनुसार निराकरण करने को कहा, ताकि छोटी घटनाएं आगे चलकर गंभीर रूप न लें। कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में लापरवाही न बरतने और प्रत्येक घटना पर परिस्थितियों के अनुरूप तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने संवेदनशील मामलों और धार्मिक विषयों से जुड़े घटनाक्रमों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने असामाजिक एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान करने और संवेदनशील क्षेत्रों एवं बिंदुओं को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट और सामग्री की नियमित निगरानी करने तथा भ्रामक या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।

आस्था श्रीवास्तव ने बढ़ाया गौरव, राष्ट्रीय स्तर पर मिला 'नृत्य कला बाल श्री अवार्ड'



रायपुर में आयोजित 'नटवर गोपी कृष्ण' नृत्य प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर हासिल की उपलब्धि

गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ की प्रतिभाशाली नृत्यांगना आस्था श्रीवास्तव ने अपनी नृत्य कला का शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर 'नृत्य कला बाल श्री अवार्ड' प्राप्त किया है। 19 अक्टूबर 2026 को रायपुर में आयोजित 'नटवर गोपी कृष्ण' नृत्य प्रतियोगिता में आस्था ने यह उपलब्धि हासिल कर अपने परिवार और शुभचिंतकों को गौरवान्वित किया।

यह नृत्य प्रतियोगिता ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी, जिसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का सहयोग प्राप्त था। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में आस्था को उनकी नृत्य प्रतिभा और शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

आस्था श्रीवास्तव शनि श्रीवास्तव और अनुजा श्रीवास्तव की पुत्री हैं, जो मां कल्याणिका पब्लिक स्कूल में कार्यरत हैं।

आस्था की इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता को कला के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा, मेहनत और लगन का परिणाम माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त करना आस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आस्था की इस सफलता पर परिवारजनों, शुभचिंतकों और परिचितों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रामचंडी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत ग्राम गढ़फुलझर में बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सर्वप्रथम गढ़फुलझर स्थित रामचंडी मंदिर पहुंचकर मां रणेश्वर रामचंडी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां रामचंडी से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति के साथ प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री धर्मेंद्र प्रधान, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, विधायक श्री संपत अग्रवाल सहित बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज के पदाधिकारी, समाजजन एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की खिलाड़ियों की हौसला अफजाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रोमांच जोर पकड़ रहा है.लीग के दूसरे दिन आज के दूसरे मैच में चक्रधर चैंपियंस ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 6-4 से मात दी। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव भी इस मैच को देखने पहुंचे थे। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। मैच की शुरुआत अनुभवी इंडिया प्लेयर एस.वी. सुनील के शानदार प्रदर्शन से हुई। जब चक्रधर चैंपियंस के लिए मौके नहीं आ रहे थे, तो उन्हें बस मिडफील्ड से एक पास की जरूरत थी। वहां से उन्होंने सर्कल में युवराज वाल्मीकि को एक सटीक पास दिया, जिन्होंने शॉट मारने की कोशिश की और रिबाउंड पर गोल कर दिया। ठीक एक मिनट बाद, चक्रधर चैंपियंस ने एक और मौका बनाया जिससे गोल हो गया। अर्जुन यादव ने सर्कल के ठीक बाहर संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के डिफेंडर से बॉल छीनकर गोलपोस्ट के सामने पास कर दी। कार्तिक यादव ने एक बड़ा डाइव लगाकर बढ़त को 2-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में चक्रधर चैंपियंस को अपना तीसरा गोल करने में ज़्यादा समय नहीं लगा। इस बार यह एक पेनाल्टी कार्नर कन्वर्ज़न था, एक रेयर कॉम्बिनेशन जिसमें ड्रैग फ्लिकर ने बॉल सुनील की ओर भेजी, और फिर वाल्मीकि की ओर, जिन्होंने बॉल को पोस्ट में गाइड किया। इन मुश्किलों के बावजूद संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने क्वार्टर में एक गोल वापस कर लिया जब शाहरुख ने रिबाउंड पर बोर्ड पर गेंद डाली। वैभव सिंह चंदेल सर्कल के अंदर से बुलेट स्ट्राइक को रोक नहीं सके। स्ट्राइकर्स के लिए चीजें और खराब हो गईं जब कीपर आदित्य कुमार नेताम ने कार्तिक के खिलाफ टैकल करने की कोशिश की। नतीजतन, वाल्मीकि को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और उन्होंने एक और गोल किया। तीसरा क्वार्टर संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के लिए पूरी तरह से बदल गया जहां उन्होंने दो और गोल किए। पहला शाहरुख का फील्ड गोल था, जबकि दूसरा शमशेर के आखिरी पेनाल्टी स्ट्रोक से आया, जिससे स्कोर 4-3 हो गया। चौथे क्वार्टर में चक्रधर चैंपियंस ने पूरी ताकत झोंक दी। मनीष ने सर्कल में एक बढ़िया डिफ्लेक्शन से गोल कर दिया। इस गोल ने एक तरह से स्ट्राइकर्स की सारी उम्मीदें खत्म कर दीं। एक और पेनाल्टी कार्नर का मतलब था सुनील की टीम के लिए गोल करने का एक और मौका। हालांकि इस बार गोल आया वाल्मीकि के रिबाउंड पर, जिन्होंने रात का अपना तीसरा गोल किया।

दीपक बैज ने भाजपा पर साधा निशाना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे और बस्तर दशहरा को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने BJP पर निशाना साधा है। उन्होंने BJP पर बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार को मजाक बनाने, रीती-रिवाजों और परंपराओं से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी सवाल किया कि राष्ट्रपति 2 बार आईं हैं, इससे क्या फायदा हुआ ? उनका कहना है कि बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार को बीजेपी ने मजाक बना दिया है। 2 बार राष्ट्रपति आई हैं, इससे क्या फायदा हुआ ?, उन्होंने बस्तर दशहरा के रीती रिवाजों और परंपराओं के साथ छेड़छाड़ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने आगे कहा कि हद तो तब हुई जब बस्तर दशहरा का छाया चित्र गलत दर्शाया गया, क्योंकि बस्तर में नक्सलियों के नाम से 4000 से ज्यादा नक्सली जेल में बंद है। बड़े दुर्दांत नक्सली सरकार के गोद में बैठे हैं। राष्ट्रपति के पास ताकत है वो उन्हें रिहा कर सकती है। इंडिया गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और 'वोट चोरी' के मुद्दों को लेकर दिल्ली में एक बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। इसको लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में कांग्रेसी शामिल होंगे। दीपक बैज ने कहा कि 1 नवंबर को देश की राजधानी दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बड़ी रैली होने जा रही है, जिसमें हजारों की संख्या में कांग्रेसी शामिल होंगे। वोट चोरी और SIR के माध्यम से वोट काटे जाने के मुद्दे पर यह रैली आयोजित होगी। साथ ही ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर भी बड़ा प्रदर्शन होगा।



स्मृति ईरानी के दौरे पर कसा तंज

इसी के साथ ही दीपक बैज ने भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे पर भी तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल क्या स्मृति ईरानी बीजेपी की गुटबाजी को कम कर पाएगी ? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। क्या महंगाई कम होगी ? 13 रूप किलो में शकर मिलेगी ? 400 रूपए में गैस सिलेंडर मिलेगा, यह हमारा सवाल है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी की वो खास है बड़ी नेता है उम्मीद है यह सब होगा।

रायपुर में हत्या के प्रयास

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हत्या के प्रयास, दुष्कर्म, नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म तथा दोपहिया वाहन चोरी के पांच मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध कायम कर जांच शुरू की है। दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में 22 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे रिंग रोड नंबर-1 के सामने वेंकट जपल्ले पर चार अज्ञात बाइक सवारों ने हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने बिना किसी कारण धारदार हथियार से वार कर उन्हें जान से मारने की नीयत से गंभीर चोटें पहुंचाईं। पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोप में मामला दर्ज किया है।

संतोष पांडेय ने कहा- कांग्रेस भटका रही लोगों का ध्यान, भूपेश ने 25 लाख नाम काटे जाने पर मांगा जवाब

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। भाजपा सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय ने वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर को घेरते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष मतदाताओं को भ्रमित कर रहा है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने SIR के दौरान 25 लाख लोगों के नाम काटे जाने का दावा करते हुए भाजपा और निर्वाचन आयोग से सवाल पूछे हैं। दोनों नेताओं के बयानों के बीच प्रदेश में मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। संतोष पांडेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री के कामों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए वोट चोरी का मुद्दा उठा रही है। उनके मुताबिक, कांग्रेस का वोट शेयर लगातार गिर रहा है और पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर मतदाताओं के मन में अविश्वास पैदा करने की कोशिश कर रही है। भाजपा सांसद ने निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था बताते हुए कहा कि वह जनादेश का रक्षक है। उन्होंने SIR की प्रक्रिया का बचाव करते हुए दावा किया कि केरल के कुछ कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इसका समर्थन किया है। पांडेय का कहना था कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में किसी तरह की गलती होने पर उसे सुधारने की व्यवस्था मौजूद है। इसके लिए संबंधित फॉर्म भरवाए जा रहे हैं, ताकि गलतियों को ठीक किया जा सके। बिरगांव नगर निगम में SIR के दौरान बड़ी गड़बड़ी होने की बात सामने आने के संदर्भ में भी संतोष पांडेय ने प्रक्रिया में सुधार की व्यवस्था का जिक्र किया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में उन्होंने बिरगांव मामले में गड़बड़ी की प्रकृति या प्रभावित मतदाताओं की संख्या का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया।



संतोष पांडेय ने महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर भी कांग्रेस को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस महिलाओं का अपमान करती है। राष्ट्रपति की मिमिक्री से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि उनका ध्यान इस मुद्दे की ओर नहीं जाता।

भाजपा सांसद ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भी हमला बोला। पांडेय ने आरोप लगाया कि बघेल मनगढ़ंत बातें करते हैं। उन्होंने बघेल के परिवार के सदस्यों के पुराने बयानों का जिक्र करते हुए सनातन धर्म, माता सीता और सगुण-निर्गुण से जुड़े विचारों पर सवाल उठाए।

दूसरी ओर, भूपेश बघेल ने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में SIR के दौरान 25 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनकी सूची सार्वजनिक की गई है या नहीं। बघेल ने कहा कि संतोष पांडेय भाजपा के प्रवक्ता होने के साथ सांसद भी हैं, इसलिए उन्हें इस मामले में स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के कथित बयान का भी हवाला दिया कि नाम 10 बार काटे जाएंगे। बघेल ने इसे अपने आरोपों की पुष्टि के तौर पर पेश करते हुए कहा कि भाजपा की ओर से ही ऐसी बात कही जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा और निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि दोनों के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया है। उनका बयान मतदाता सूची में नामों को लेकर चल रहे विवाद के बीच आया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि स्मृति ईरानी पहले 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलने की बात करती थीं, लेकिन अब अडानी गैस पाइपलाइन बिछाने जा रहे हैं। बघेल ने आशंका जताई कि पाइपलाइन के जरिए गैस आपूर्ति बढ़ने से गैस एजेंसी संचालकों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने मोबाइल रिचार्ज की कीमतों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह जियो का रिचार्ज प्लान महंगा हुआ है, उसी तरह गैस सिलेंडर भी और महंगा हो सकता है। स्मृति ईरानी के स्वागत में पोस्टर और बैनर नहीं लगाने के निर्देश को लेकर भी भूपेश बघेल ने विष्णुदेव साय सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पोस्टर-बैनर पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च करती है और प्रधानमंत्री के करीब दिखने के लिए इस तरह के प्रचार पर खर्च किया जाता है। बघेल ने कहा कि अब स्मृति ईरानी के दौरे पर पोस्टर-बैनर नहीं लगाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इससे भाजपा के बहुत से लोग बेरोजगार हो जाएंगे।

राज्योत्सव में दिखेगा सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो का रोमांच, कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में आयोजित होने वाले सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित बैठक में भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जिला प्रशासन, नगर निगम तथा विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान एयर शो के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाओं, आपातकालीन सेवाओं और दर्शकों की सुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।



बैठक में आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने, यातायात का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने तथा दर्शकों एवं अतिथियों की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंध करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधाओं, आपातकालीन सेवाओं, परिवहन व्यवस्था और पार्किंग प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही ड्रॉप जोन की लेबलिंग, आयोजन स्थल पर प्रवेश एवं आवागमन की व्यवस्था तथा किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम समय पर सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई।

एयर शो के सफल संचालन के लिए आयोजन स्थल पर आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसमें विद्युत आपूर्ति, सॉफ्ट ग्राउंड, मेंटेनेंस, मोबाइल टॉयलेट, कार्यालयीन कार्यों के लिए आवश्यक स्थान तथा अन्य सुविधाओं की व्यवस्था शामिल रही। अधिकारियों ने आयोजन स्थल की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की।

बैठक में अतिथियों के आगमन एवं स्वागत, परिवहन और पार्किंग की समुचित व्यवस्था तथा एयर शो के व्यापक प्रचार-प्रसार से जुड़े विषयों की भी समीक्षा की गई। आयोजन में शामिल होने वाले अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने पर बल दिया गया। साथ ही आयोजन स्थल पर चिकित्सा सहायता एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा संबंधित टीमों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के महत्व पर भी चर्चा हुई।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो जैसे महत्वपूर्ण आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन, विद्युत आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित तैयारियों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। आयोजन के दौरान आम नागरिकों एवं दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर आयोजित होने वाला सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण आकर्षण होगा। इसे देखते हुए आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों की नियमित समीक्षा, विभागीय जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन और समय पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में नगर निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिस्वरंजन, भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए), परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दवाएं सस्ती हों, ग्रामीणों तक पहुंचे इलाज नकली दवाओं पर लगे रोक : राज्यपाल डेका

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि सस्ता इलाज, किफायती दवाएं और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना देश की प्रमुख चुनौतियां हैं। इनके समाधान के लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध करने और छत्तीसगढ़ की वनौषधियों के पारंपरिक ज्ञान को सामने लाने पर जोर दिया। राज्यपाल श्री डेका आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन एपिकॉन-2026 को संबोधित कर रहे थे। अधिवेशन का विषय 'फार्मा शिक्षक आत्मनिर्भर भारत के लिए फार्मासिस्ट तैयार करने का संकल्प' था। राज्यपाल ने कहा कि देश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण आबादी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना अब भी चुनौती है। दवाओं की कीमत आम आदमी की पहुंच में होनी चाहिए। चिकित्सकों को दवाएं लिखते समय मरीज की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए और जहां संभव हो, कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चिकित्सकों और फार्मासिस्टों को गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना होगा। गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। भारतीय चिकित्सा परंपराओं में उपलब्ध जानकारी की आधुनिक शोध के माध्यम से जांच कर उनकी उपयोगिता का आकलन करना जरूरी है।

नकली दवाओं को गंभीर खतरा बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन पर संकट पैदा होता है तथा चिकित्सा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। फार्मेसी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और दवा उद्योग को दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करने तथा मौलिक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नैतिक मूल्यों को महत्व देने की अपील की। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. मोंटू एम. पटेल ने बताया कि बदलती तकनीक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप फार्मेसी पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मेडिकल डिवाइस जैसे विषय शामिल किए गए हैं। उन्होंने अनावश्यक एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए देश के 42 स्थानों पर चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने विश्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ के वन आधारित औषधीय संसाधनों से नए उत्पाद विकसित करने और फार्मेसी शोध को अन्य विज्ञान विषयों से जोड़ने की जरूरत बताई। एपीटीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मिलिंद जनराव उमेकर ने संगठन की गतिविधियों और फार्मेसी शिक्षकों के प्रशिक्षण, शोध तथा उद्योगों के साथ सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी। भारतीय शिक्षा मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री बी.आर. शंकरानंद ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा को सामाजिक बदलाव और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण का माध्यम बनाया जाना चाहिए।



अधिवेशन में देशभर से लगभग 700 शिक्षक, 900 विद्यार्थी और फार्मेसी, विपणन तथा उद्योग जगत से जुड़े करीब 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन में सस्ती दवाओं, सुरक्षित उपचार, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं और गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com